# सत्यम् लाइव

सत्य सर्वत्र सम्पन्न खबरें!

editor@satyamlive.com

दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

R.N.I No.- DELHIN/2011/36763

वर्ष : 06, अंक : 48, सोमवार, 06 से 12 फरवरी, 2017 www.satyamlive.com साप्ताहिक, पृष्ठ : 08, सम्पादक : योगेश कुमार, मूल्य : 2.00 रु.


## गोवा: 83% हुआ मतदान, टूटा पिछले साल का रिकॉर्ड

**गोवा/एजेंसी:** पांच राज्यों में 36 दिनों तक चलने वाले इलेक्शन की शुरूआत गोवा से हो गई है। शनिवार को गोवा में 83% वोटिंग हुई। पिछले इलेक्शन में 81% वोटिंग हुई थी। गोवा में वोट डालने पहुंच मनोहर पर्रिकर ने कहा कि "रिपोर्ट्स बताती हैं कि गोवा में इस बार जबर्दस्त वोटिंग होगी। ये पिछले बार के 81% के रिकॉर्ड को क्रॉस कर जाएगी।

बीजेपी को दो तिहाई मेजोरिटी से जीत हासिल होगी।" गोवा का सीएम बनने के सवाल पर पर्रिकर बोले कि "मुझे दिल्ली से ज्यादा गोवा का खाना अच्छा लगता है। अब इसका आप कोई भी मतलब निकाल लीजिए।"

गोवा के आरएसएस चीफ रहे सुभाष वेलिंगकर ने भी वोट डाला। उन्होंने भरोसा जताया कि महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी, गोवा सुरक्षा मंच और शिव सेना के साथ बना अलायंस राज्य में 22 सीटों पर जीत दर्ज कर सरकार बनाएगा। वेलिंगकर ने यह भी कहा कि गोवा में आरएसएस कैडर बीजेपी को वोट नहीं दे रहा। इससे उन्हें फर्क पड़ेगा।

## पंजाब: 70 % हुआ मतदान, बूथ के बाहर हुई फायरिंग

**चंडीगढ़/एजेंसी:** पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में करीब 70 फीसद मतदान हुआ है। मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ और शाम पांच बजे तक चला। दिनभर मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें लगी रहीं। राज्य में पांच बजे तक मतदान हुआ। होशियारपुर और बठिंडा सहित कुछ जगहों पर ईवीएम में खराबी की सूचना है। राज्य में कई जगहों पर हिंसक झड़पें भी हुईं। डेरा बस्सी और अमृतसर के राजासांसी विधानसभा क्षेत्र में लाठीचार्ज भी करना पड़ा। राज्य में कई जगहों पर पांच बजे के बाद भी मतदान हुआ। राज्य में कई जगह लोगों को ईवीएम खराब होने के कारण परेशानी झेलनी पड़ी। जालंधर के बूथ नंबर 66 पर राज्य में करीब 67 जगहों पर ईवीएम में खराबी के कारण मतदान में बाधा आई। ईवीएम में गड़बड़ी के कारण मतदान कुछ देर तक रुकावट आई। नवजोत सिंह सिद्धू की सीट अमृतसर ईस्ट के 124-125 नंबर के मतदान केंद्रों पर ईवीएम में गड़बड़ी के चलते 40 मिनट देरी से मतदान शुरू हुआ। मजीठा में तीन घंटे तक ईवीएम में खराबी के कारण मतदान रुका रहा। मुक्तसर में 30 केंद्रों पर खराबी आई। सुल्तानपुर लोधी में तीन जगह मतदान रुका। बठिंडा के भोजराज स्कूल में बनाए गए बूथ पर ईवीएम में खराबी आ गई और इस कारण मतदान कुछ देर रुका रहा। इसी तरह होशियारपुर में बस्सीजहान में बूथ नंबर 118 पर ईवीएम में खराबी के कारण मतदान रुक गया। काफी देर बाद मतदान शुरू हुआ। इसके अलावा राज्य में कुछ अन्य जगहों पर ईवीएम में गड़बड़ी की सूचना है। हालांकि इन जगहों पर मतदान में बाधा नहीं आई। कोटकपूरा विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 101 पर ईवीएम में खराबी आने से मतदान रुक गया। कादियां, अजनाला व सुल्तानपुर लोधी में ईवीएम खराब हुई। लहरागागा हलके के 21 बूथों पर ईवीएम खराब हुई। विधानसभा हलका मजीठा में शिरोमणि अकाली दल के प्रत्याशी विक्रम सिंह मजीठिया और कांग्रेस के प्रत्याशी लाली मजीठिया बहस भी हुई। फिरोजपुर में एक मतदान केंद्र के पास बाइक पर आए दो किशोरों ने देसी पिस्तौल से फायरिंग की और फरार हो हो गए। हालांकि इससे मतदान पर कोई असर नहीं पड़ा।

## बारामूला: मुठभेड़ में हिजबुल के दो प्रमुख आतंकी ढेर

**श्रीनगर :** उत्तरी कश्मीर के बारामूला में उस वक्त एक बड़ी आतंकवादी वारदात को टाल दिया गया जब सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिद्दीन के दो प्रमुख आतंकवादियों को मार गिराया।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि यहां से 50 किलोमीटर दूर सोपोर के अमरगढ़ गांव में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में पुलिस अधीक्षक (अभियान) शफाकत हुसैन और उप निरीक्षक मोहम्मद मुर्तजा भी घायल हो गए।

पुलिस को पता चला था कि दो आतंकवादी एक गाड़ी में सफर कर रहे हैं, इसके बाद पुलिस ने आतंकवादियों को रोकने की कोशिश की जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई। खुफिया सूचना मिली थी कि आतंकवादी एक गाड़ी में सफर कर रहे हैं और सोपोर इलाके में आतंकी घटना को अंजाम देने की तैयारी में हैं। पुलिस और सुरक्षा बल फौरन हरकत में आए और सोपोर के अमरगढ़ में उन्हें रोक लिया।

प्रवक्ता ने कहा कि जब उन्हें चुनौती दी गई तो आतंकवादियों ने पुलिस बल पर हथगोला फेंक दिया जिसमें एसपी (अभियान) बारामूला और एक उपनिरीक्षक घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ स्थल से दो एके राइफल, एक पिस्टल, चार हथगोले और गोलाबारूद बरामद किया गया।

## देश को शाह और मोदी से बचाना है: अखिलेश

**औरैया :** यूपी के सीएम अखिलेश यादव ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्कैम की व्याख्या को समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, अखिलेश और मुलायम सिंह यादव से जोड़े जाने पर पलटवार किया।

उन्होंने औरैया में एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि देश को स्कैम से बचाना है और इसमें शामिल ए और एम अमित शाह और मोदी से जोड़ते हुए कहा कि देश को इन दोनों से बचाना है। अखिलेश ने कहा कि 'देश को स्कैम से बचाना है, ए और एम से जिनके नाम आते हैं उनसे बचाना है, देश को अमित शाह और मोदी से बचाना है।' यूपी सीएम यहीं नहीं रुके उन्होंने प्रधानमंत्री पर तंज करते हुए कहा कि उन्होंने राजनीतिक पलायन किया है। उन्होंने कहा कि 'पीएम बनने के लिए उन्होंने राजनीतिक पलायन किया है। गुजरात से शायद पीएम नहीं सकते थे।'

## चुनाव आयोग बेहया और रीढ़विहीन है: केजरी

**नई दिल्ली :** दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसे रीढ़विहीन और बेहया बताया। उन्होंने साथ ही यह आरोप भी लगाया कि चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

केजरीवाल ने आप के एक सदस्य द्वारा पंजाब स्थित मजीठा के बूथों पर वोटिंग मशीन के खराब होने और पुलिस द्वारा मतदाताओं को रोके जाने को लेकर ट्विटर पर की गई शिकायत पर रिट्वीट करते हुए लिखा, 'यह बिल्कुल बेहयाऔर रीढ़विहीन चुनाव आयोग है।' केजरीवाल ने चुनाव आयोग पर एक के बाद एक गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने ट्वीट किया, ' चुनाव आयोग ने सीबीआई और आरबीआई की तरह मोदीजी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।'

केजरीवाल ने प्रधानमंत्री पर भी इस दौरान निशाना साधा। उन्होंने लिखा, 'जिस तरह मोदी जी ने आरबीआई का बेड़ा गर्क कर दिया है, ऐसे ही अपने चमचों को बिठाकर मोदी जी ने चुनाव आयोग का भी बेड़ा गर्क कर दिया है।'

केजरीवाल ने अगले ट्वीट में नोटबंदी को लेकर प्रधानमंत्री की खिंचाई और कहा कि इस कदम से काला धन कम नहीं हुआ जैसा वादा उन्होंने किया है। मोदी जी तो कह रहे थे कि नोटबंदी के बाद काला धन खत्म हो गया। पंजाब गोवा में तो जम के बँटा है। फिर क्या फायदा हुआ नोटबंदी का।

## नोएडा में 37 अरब की ऑनलाइन ठगी का खुलासा, 3 गिरफ्तार

**नोएडा/योगेश कश्यप :** नोएडा में अब तक का सबसे बड़ा जालसाजी का मामला सामने आया है, जिसमें जालसाजों ने लोगों से 3700 करोड़ रुपए वसूल किए। जालसाजों ने फर्जी कंपनी बनाकर इस कृत्य को अंजाम किया। एसटीएफ ने कंपनी के मालिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और केनरा बैंक के खातों में पड़ी कंपनी की करीब 500 करोड़ की धनराशि सीज कर दी है।

एसटीएफ ने बुधवार को यह गिरफ्तारी नोएडा के सेक्टर-63 के एफ -ब्लॉक में चल रही कंपनी से की। एसटीएफ के मुताबिक कंपनी ने निवेशकों से मल्टीलेवल मार्केटिंग के जरिए डिजिटल मार्केटिंग के नाम पर इतनी बड़ी ठगी को अंजाम दिया है। गुरुवार को कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेसवार्ता में यूपी एसटीएफ के एसएसपी अमित पाठक ने बताया कि एफ-471, सेक्टर-63, नोएडा स्थित एबलेज इंफो सॉल्यूशन प्रा. लि. कंपनी

द्वारा सोशल ट्रेड डॉट बिज के नाम से सोशल पोर्टल बनाकर मल्टीलेवल मार्केटिंग के जरिए लोगों से मेंबरशिप के नाम पर 37 अरब रुपए की धोखाधड़ी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। बुधवार को यूपी एसटीएफ ने उक्त कंपनी पर छापा मारकर कंपनी के निदेशक अनुभव मित्तल, सीईओ श्रीधर और टेक्नीकल हैड महेश को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि अनुभव मित्तल पुत्र सुनील मित्तल हापुड़ जनपद पिलखुवा का रहने वाला है, जबकि कंपनी का सीईओ श्रीधर पुत्र पीएस रमन्न मूल रूप से विशाखापट्टनम का रहने वाला है और वर्तमान में वह 53बीए सेक्टर-53ए नोएडा में रहता है।

एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार किया गया तीसरा अभियुक्त कंपनी का टैक्नीकल हैड महेश दयाल पुत्र गोपाल मथुरा जनपद के थाना बरसाना क्षेत्र स्थित कमई गांव का रहने वाला है। केनरा बैंक की गाजियाबाद स्थित शाखा में कंपनी के कई खातों में करीब पांच सौ करोड़ रुपए हैं, इस रकम को फिलहाल फ्रीज कर दिया गया है, इसके अलावा एसटीएफ की टीम ने कंपनियों से संबंधित बेलेंस शीट, निवेशकों की सूची, कंपनियों के कर्मचारियों की सूची, बैंक खातों की सूची, निवेशकों की शिकायतों की सूची, विभिन्न खातों में हुए ट्रांजेक्शन की सूची और वेबसाइट निवेशकों के वेबसाइट यूआरएल की सूची कब्जे में ली है। उन्होंने बताया कि कंपनी लोगों को सोशल ट्रेड डॉट बिज पोर्टल से जोडने के लिए 50 से 60 हजार रुपए कंपनी अकाउंट में जमा कराती थी। उसके बाद हर मेंबर को पोर्टल पर मिलने वाले लिंक को लाइक करना होता था। लाइक करने पर कंपनी अपने मेंबर के खाते में पांच रुपए के हिसाब से पैसे भेजती थी। हर मेंबर को अपने नीचे दो और लोगों को जोडना होता था, जिसके बाद मेंबर को मिलने वाले लिंक दोगुने हो जाते थे। इसके अलावा उसे प्रमोशनल इन्कम के नाम पर भी कुछ पैसा दिया जाता था।

उन्होंने बताया कि कंपनी अपने एड खुद डिजाइन करके पोर्टल पर डालती थी और मेंबर से लिये गये पैसे को ही वापस करती थी। एसएसपी ने बताया कि इंफोर्समेंट एजेंसी से बचने के लिए यह फ्रॉड कंपनी वर्चुअल वर्ड में लगातार नाम बदल रही थी। पहले सोशल ट्रेड विजए फिर फ्री हब डॉट काम से फेंजअप डॉट कॉम, इंटमार्ट डॉटकाम और थ्री डब्ल्यू डॉट कॉम के नाम से यह कंपनी लोगों से फ्रॉड कर रही थी।

# संपादकीय

योगेश कश्यप

## संतुलन की कोशिश

**इस** बार के बजट से हर किसी ने काफी उम्मीदें लगा रखी थीं। कई लोग मान रहे थे कि पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर इस बार कुछ लोकलुभावन घोषणाएं की जाएंगी, मगर वित्तमंत्री ने ऐसा कोई कदम उठाने के बजाय संतुलन बनाने की कोशिश की। नोटबंदी के बाद सरकार को काफी किरकिरी झेलनी पड़ी थी, उसका अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ा। वित्तमंत्री ने उसे सुधारने की गरज से मध्य आयवर्ग और कारोबारी समूह को करों में छूट देने का फैसला किया। आयकर का दायरा बढ़ा कर ढाई से तीन लाख रुपए कर दिया गया है। इसी प्रकार पांच लाख रुपए तक की आय पर पहले के दस प्रतिशत कर ढांचे को घटा कर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। इससे न सिर्फ वेतनभोगी लोगों, बल्कि छोटे कारोबारियों को कुछ राहत मिलेगी। उम्मीद की जा रही है कि इससे वे कारोबारी स्वतः अपने आय-व्यय का लेखा-जोखा पेश करने को प्रोत्साहित होंगे, जो आमदनी छिपाने की कोशिश करते रहे हैं।

इस बजट में कृषि, डेयरी, शिक्षा, कौशल विकास, रेलवे और अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के लिए आबंटन बढ़ाने का प्रस्ताव भी किया गया है। सबसे अधिक चिंता कालेधन पर रोक लगाने को लेकर देखी गई है। इसके लिए डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने, तीन लाख रुपए से अधिक के लेन-देन को रोकने और राजनीतिक दलों को मिलने वाले नगद चंदे की सीमा बीस हजार से घटा कर महज दो हजार रुपए करने का प्रस्ताव किया गया है। नोटबंदी के बाद से ही सरकार डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देती आ रही है, इसके लिए कुछ पुरस्कार और विक्रेताओं के लिए प्रोत्साहन योजनाएं भी शुरू की गई हैं। चूंकि सरकार वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम लागू करने की जल्दी में है, इसलिए भी डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर कालेधन पर अंकुश लगाने और कर भुगतान में पारदर्शिता लाना चाहती है। फिर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के इरादे से किए गए प्रस्ताव भी अभी कसौटी पर चढ़ने हैं। राजनीतिक दलों के नगद चंदे की सीमा घटा कर दो हजार रुपए कर देने को कालेधन का प्रवाह रोकने की दिशा में कठोर कदम कहा जा सकता है, पर इसमें कितनी कामयाबी मिल पाएगी या राजनीतिक दलों में कितनी पारदर्शिता आ पाएगी, कहना मुश्किल है।

पहली बार रेल बजट को भी आम बजट के साथ मिला दिया गया है। यह निस्संदेह सराहनीय काम है, पर अभी तक रेल बजट अलग से पेश किया जाता था तो रेलवे से जुड़े तमाम पहलुओं पर बारीकी से ध्यान दिया जाता था। इस बार रेल सुरक्षा बढ़ाने, मुसाफिरों को टिकट खरीदने में आने वाले परेशानियां दूर करने और पूंजीगत विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। न रेल किराए में किसी प्रकार का बदलाव करने का फैसला किया गया और न कोई नई रेल चलाने की घोषणा की गई है।

पिछले कुछ महीनों में हुए रेल हादसों के मद्देनजर यही अपेक्षा की जाती है कि रेलवे के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाए और रेलगाड़ियों को समय पर चलाने का इंतजाम हो सके। सुरक्षा आदि को लेकर लंबे समय से घोषणाएं होती आ रही हैं, पर हकीकत यह है कि इस दिशा में कोई उल्लेखनीय काम नहीं हो पाया है। बहुत सारी परियोजनाएं लंबे समय से लटकी हुई हैं। अगर सरकार पूंजीगत विकास के साथ-साथ रेलवे के संचालन में सुधार कर पाती है तो निस्संदेह उल्लेखनीय कदम होगा।

# औसत से बेहतर बजट

**वित्तमंत्री** अरुण जेटली ने आम बजट असाधारण पृष्ठभूमि और विशेष परिस्थितियों के बीच पेश किया है। नीतिकारों के अलावा आम जनता की रुचि भी इस बार सामान्य से ज्यादा थी। अगले साल सरकार पर 2019 में होने वाले लोकसभा चुनावों का दबाव रहेगा, इसलिए कारोबारी तबके और आर्थिक सुधारों के पक्षधर लोग भी इस बजट को गौर से देख रहे थे। उम्मीदों के बोझ और आर्थिक सुधारों की धार के बीच कदमताल करते हुए वित्तमंत्री ने बजट में मध्यमार्ग अपनाया है।

नोटबंदी ने अर्थव्यवस्था की जड़ों को हिलाया है। इसका वास्तविक असर चालू वित्तवर्ष की अंतिम तिमाही में देखने को मिलेगा, लेकिन विकास दर मंद पड़ने के विश्वसनीय संकेत मिल चुके हैं। विदेशी निवेश की आमद नरम हुई है, वहीं भारत का विदेश व्यापार भी बीते पंद्रह माह से नकारात्मक दिशा से वापस मुड़ नहीं पाया है। ऐसी घरेलू परिस्थितियों को विकास के माकूल नहीं माना जा सकता। वैश्विक स्तर पर तेल और विभिन्न जिंसों की कीमतों में बीते तीन सालों से रही नरमी अब खत्म होने की दिशा में बढ़ चली है। अमेरिका और पश्चिमी यूरोप जैसे बाजारों में सुस्ती है और राजनीतिक अवरोधों ने कारोबार की राह मुश्किल बना रखी है। इस तरह के चुनौतीपूर्ण घरेलू और वैश्विक माहौल में वित्तमंत्री के सामने सबसे बड़ी चुनौती निवेश और कारोबार की राहें आसान करना था, ताकि तेज विकास दर सुनिश्चित की जा सके। बजट में इस मोर्चे पर कुछ लीक से हट कर घोषणाएं की गई हैं। वित्तमंत्री ने विदेशी निवेश प्रोत्साहन बोर्ड (एफआईपीबी) को समाप्त करने का ऐलान किया है। यह निकाय देश में आने वाले विदेशी निवेश के प्रस्तावों की वैधता की जांच-परख करता था। उम्मीद के मुताबिक उद्योग जगत और विदेशी निवेशकों ने इस फैसले का स्वागत किया है।

वित्तमंत्री ने अलग-अलग क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर लगी सीमाएं भी हटा ली हैं या कुछ मामलों में कम की हैं। निवेश को

बढ़ावा देने के लिहाज से यह स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन यह देखना होगा कि निवेश प्रस्तावों के चयन और मंजूरी देने की प्रक्रिया में कितना सुधार किया जाता है।

निवेश के अलावा फिलवक्त भारतीय अर्थव्यवस्था की दूसरी बड़ी समस्या बैंकिंग क्षेत्र का संकट है। बड़े स्तर पर जहां बैंकिंग क्षेत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय किए बैसल-3 मानकों को पूरा करने के लिए भारतीय बैंकों को पूंजी की जरूरत है वहीं सूक्ष्म स्तर पर फंसे कर्जों की वजह से बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) बढ़ती जा रही हैं। भारत में कुल बैंकिंग कारोबार के तीन-चौथाई हिस्से पर सरकारी बैंकों का कब्जा है और उनकी सबसे बड़ी शेयरधारक भारत सरकार है। बजट में वित्तमंत्री ने सरकारी बैंकों के पुनर्पूंजीकरण के लिए दस हजार करोड़ रुपए का आवंटन किया है। दिक्कत यह है कि बेसल-3 मानकों के परिपालन में पुनर्पूंजीकरण के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को तीन लाख करोड़ रुपए की जरूरत है। ऐसे में महज दस हजार करोड़ रुपए का बजटीय आवंटन ऊंट के मुंह में जीरे के माफिक है।

बैंकों के फंसे कर्जों के संबंध में वित्तमंत्री का एक और एलान अहम है। जान-बूझ कर कर्ज अदा न करने वालों और चिटफंड जैसे तरीकों से आर्थिक धोखाधड़ी करने वालों पर नकेल कसने के लिए ऐसे लोगों की संपत्तियां जब्त करने की भी बजटीय घोषणा की गई है। जानकारों के मुताबिक बैंकों के फंसे कर्जों में बड़ी कंपनियों और मोटी आमदनी वाले लोगों की हिस्सेदारी तीन-चौथाई के करीब है। वित्तमंत्री ने साठगांठ वाले पूंजीवाद (क्रोनी कैपिटलिज्म) पर निगाहें कड़ी करने का संदेश बजट में दिया है। इसी क्रम में बड़ी कंपनियों (50 करोड़ से ज्यादा टर्नओवर) के लिए निगम कर में छूट नहीं दी गई है। कर के मोर्चे पर वित्तमंत्री ने बजट में सावधानी के साथ जहां ज्यादा कर राहतों की घोषणाएं न करके वित्तीय अनुशासन का दामन नहीं छोड़ा है वहीं समझदारी से कर राजस्व में हुए इजाफे का उपयोग प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में किया है। व्यक्तिगत करदाताओं और कंपनियों के लिए प्रत्यक्ष कर राहतों की घोषणाएं नहीं की गई हैं, जिसके चलते इन तबकों में मायूसी हो सकती है। हालांकि कर की नई प्रणाली ज्यादा तार्किक और प्रगतिशील है।

बजट में बड़े पैमाने पर कर छूट दिए जाने का अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ता रहा है और वित्तमंत्री ने इस दिशा में संयम बरत कर अर्थव्यवस्था के दूरगामी हितों का खयाल रखा है। बजट में कंपनियों पर लगने वाले निगम कर को दो भागों में विभाजित करने की घोषणा की गई है। पचास करोड़ से कम टर्नओवर वाली मध्यम दर्जे की कंपनियों के लिए निगम कर की दर घटा कर पचीस फीसद कर दी गई है। इसका खतरा यह है कि लोग जटिल मालिकाना संरचना के जरिए बड़ी कंपनी को छोटी-छोटी कंपनियों में विभाजित कर लेंगे, ताकि निगम कर के रूप में मिलने वाली राहत का फायदा उठाया जा सके। परोक्ष करों के मोर्चे पर वित्तमंत्री ने ज्यादा छेड़खानी नहीं की है, क्योंकि अगले साल से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होना है।

नोटबंदी से प्रभावित हुए आम आदमी, किसान, युवा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के घावों पर भी मलहम लगाने का बंदोबस्त बजट में किया गया है। मई 2018 में सौ फीसद ग्रामीण विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल करने की बजटीय घोषणा गावों के जनजीवन और अर्थव्यवस्था के लिहाज से अहम है। छोटे कारोबारियों और नए युवा उद्यमियों की वित्त संबंधी जरूरतों को पूरा करने पर बल देते हुए मुद्रा योजना का कर्ज संबंधी लक्ष्य दोगुना करके दो लाख चौवालीस हजार करोड़ कर दिया गया है। सरकार डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के अपने वादे पर कायम है। आइआरसीटीसी वेबसाइट के जरिए भारतीय रेल की टिकटें आरक्षित करते समय लगने वाले सेवा कर को समाप्त कर दिया गया है। नए वित्तवर्ष में दस लाख करोड़ रुपए के कृषि ऋण प्रदाय करने का लक्ष्य रखा गया है जो पूंजी के अभाव का सामना कर रहे किसानों के लिए अच्छी खबर है। मिट्टी की तासीर के मुताबिक खेती को बढ़ावा देने के लिए देश के हर जिले के कृषि विज्ञान केंद्र में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला खोलने की बात भी कही गई है।

अक्सर बजट में घोषणाएं तो कई हो जाती हैं, लेकिन उनका धरातल पर क्रियान्वयन नहीं हो पाता है। घोषणा और क्रियान्वयन के बीच के इसी फासले को कम करने के लिए इस बार बजट में अलग से तीन हजार करोड़ रुपए का इंतजाम किया गया है, ताकि बजट में की गई घोषणाओं को समयसीमा के भीतर लागू किया जा सके।

पहली दफा रेल बजट भी आम बजट में समायोजित करके पेश किया था। हालांकि रेल यात्रियों की सुविधा के हिसाब से कई छोटी घोषणाएं की गई हैं। बड़ी घोषणा में, बीते दिनों हुई रेल दुर्घटनाओं के बीच रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से एक लाख करोड़ रुपए की निधि से राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष का गठन किया गया है। बजट में वित्तीय जवाबदेही पर जोर दिया गया है। यह जवाबदेही राजस्व घाटे, कर्ज के स्तर और राजस्व घाटे के आंकड़ों में दिखाई देती है।

# गुम होते गांव

**बदलते** समय के साथ बदल रहे मानवीय सरोकारों को लेकर अक्सर थोड़ी निराशा होती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। एक बड़ी वजह यह है कि पीढ़ियों से अर्जित किए हुए हमारे कुछ संकल्प और संस्कार क्षरित होते जा रहे हैं और वह भी आधुनिकता के नाम पर। इस पर जब विचार करती हूं तो आमतौर पर एक जगह पर आकर मेरे चिंतन की सुई अटक जाती है। यह बिंदु है बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण हमारे गांवों से गांव का खारिज होते जाना, यानी गांवों के भीतर ही गांव का न रहना। अपने शहर की हदों से थोड़ा बाहर निकल कर पड़ताल करें तो आसानी से इस बात की पुष्टि हो जाती है। बीते दो-ढाई दशकों में शहरों से सटे अनगिनत गांव अपनी पहचान लगभग खो चुके हैं। इतिहास बन चुके ये गांव एक बदले हुए भूगोल के साथ आज शहर का हिस्सा हो गए हैं।

गांव का शहर में विलीन हो जाना या कहिए कि शहर का गांव में घुस कर गांव की पहचान मिटा देना कितना सुखद है! सुखद है भी या नहीं, इसे तो किसानी से विमुख हो चुकी किसानों की नई पीढ़ी बेहतर जानती होगी। मैं तो देश के उन लाखों-करोड़ों मध्यम श्रेणी के लोगों में से एक हूं, जिनका न महानगरों से और

न ही कभी गांव-देहात से कोई सीधा संपर्क रहा है। हर शाम एफएम पर किसान वाणी सुनने, पर्यावरण से जुड़ी रचनाएं शौक से पढ़ने या यू-ट्यूब पर जैविक खेती-बागवानी के वीडियो देखने को अगर मैं अपना जुनून कहती हूं तो इसका एकमात्र कारण धरती की मिट्टी से मेरा लगाव है।कुछ समय पहले बरसों बाद, एक गांव में जाने का संयोग बना। शहर से केवल आठ-दस मील की दूरी पर स्थित होने के कारण यह अपेक्षा तो नहीं थी कि यह गांव मेरी ड्राइंगरूम की पेंटिंग वाला गांव होगा, जिसमें खपरैल की छतों वाले छोटे-छोटे घर हैं, कच्चे रास्ते पर अनाज के बोरों से लदी बैलगाड़ी को हांकता हुआ एक किसान है और सिर पर पानी का घड़ा उठाए एक औरत चली आ रही है। हालांकि यह सुनने में आता है कि दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित गांवों में आज भी ऐसे परिदृश्य देखने को मिल जाते हैं। लेकिन इधर जो देखा वह हैरान-परेशान करने वाला था। मीलों लंबी वह मुख्य सड़क, जो कभी दूर-दूर तक हरे-भरे खेतों से घिरी होती थीं, अब देखते ही देखते एक दोहरी और बेहद व्यस्त सड़क में तब्दील हो चुकी थी। सड़क के दोनों ओर बड़े-बड़े शोरूम, उनके पीछे बनीं आवासीय कालोनियों, आधुनिक शिक्षा वाले निजी स्कूलों की भव्य इमारतों ने वृक्षों और लहलहाती फसलों को खदेड़ कर पूरे ग्राम्य परिवेश को निगल लिया था।

हो सकता है कि उन भव्य इमारतों में बने घरों के भीतर कहीं बालकनी में या फिर छत पर कोई आभासी गांव जैसा रच कर गांव महसूस करने की कोशिश की जा रही हो! खैर, गंतव्य पर पहुंचे तो पता चला कि गांव आधा सड़क के बायीं तरफ और आधा दाहिनी तरफ है। यानी अपने रास्ते में पड़ते उस बेचारे गांव को चीर कर दो-फाड़ करती हुई सड़क वेग से आगे निकल गई थी। बायीं ओर एक विशाल मैरिज-पैलेस यानी विवाह या कोई समारोह आयोजित करने करने वाला भवन दिखाई दिया। दाहिनी ओर ग्राम-पंचायत का बहुत बड़ा भूखंड था। ग्रामीण घर कहीं दूर थे जो दिखाई नहीं पड़ रहे थे। खाली पड़ी जमीन के एक छोटे हिस्से पर दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्कूल का निर्माण किए जाने की योजना थी। यह जान कर बहुत अच्छा लगा था। बाकी हिस्से के बारे में पता चला कि वहां एक विशाल स्टेडियम बनने जा रहा है, राष्ट्रीय स्तर का। घबरा कर मैंने पैरों के नीचे वाली कच्ची अनगढ़ भूमि पर अपना ध्यान केंद्रित किया।

इधर-उधर सूखी लकड़ियों और गोबर की खाद के ढेर दिखे। सूखने के लिए रखे उपलों की लंबी कतारें और उन्हें सहेजने के लिए जगह-जगह खड़े किए गए कई खूबसूरत गीरे भी दिखाई दिए। दो-चार ग्रामीण महिलाएं और पुरुष लकड़ियां बीनने और उपलों को इकट्ठा करने में व्यस्त थे। यहां स्टेडियम बन जाएगा तो ग्राम्य-जीवन के ये बचे-खुचे परिदृश्य शायद हमेशा के लिए लुप्त हो जाएंगे! मैंने एक बार पीठ मोड़ कर व्यस्त सड़क पर भागती गाड़ियों और बड़ी-बड़ी इमारतों की ओर दृष्टि घुमाई और सोच में पड़ गई कि यह इतना सारा विकास किसी भूमि-अधिग्रहण की प्रक्रिया के अंतर्गत हुआ होगा या फिर अन्नदाता किसान की खेती-बाड़ी से विमुक्तिकरण की चाह के कारण? एक अस्पष्ट-सा सवाल खुद से किया और उसका उत्तर भी खुद से पाया कि तनाव मत लो, समय बदल गया है इसलिए मनुष्य के सरोकार भी बदल गए हैं।

# कांग्रेसियों ने केजरीवाल का दिये जलाकर किया स्वागत, दर्ज कराया विरोध

**नई दिल्ली/योगेश कश्यप :** दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अजय माकन के निर्देश पर जिला व ब्लाक अध्यक्षों ने आज दिल्ली सचिवालय प्लेयर्स बिल्डिंग के प्रवेश द्वार के बाहर आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री, मंत्रियों व विधायकों का क्लश के साथ सरसों का तेल डालकर व दिये जलाकर घर वापसी पर स्वागत किया। क्योंकि वे दिल्ली को छोड़कर राजनीति चमकाने के लिए पंजाब तथा गोवा में चुनाव प्रचार के लिए गए हुए थे। सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता जिनमें महिलाऐं भी थीं उन्होंने अपने सरों पर क्लश लेकर और हाथों में तेल के दीए जलाकर आप पार्टी के मुख्यमंत्री, मंत्रियों तथा विधायकों का दिल्ली आने पर स्वागत किया। कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी की मुख्य प्रवक्ता श्रीमती शर्मिष्ठा मुखजी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता श्री चतर सिंह, जिला अध्यक्ष विरेन्द्र कसाना, हरि किशन जिन्दल, प्रदीप शर्मा, मौहम्मद उस्मान, मदन खोरवाल, ओमदत्त यादव, एडवोकेट सुनील कुमार, महिलाओं में गुरमीत कौर, गीता सिंह, सपना बहल, प्रीति वढेरा, मेंहदी माजिद, अब्दुल वाहिद कुरैशी मुख्य रुप से मौजूद थे।

श्री माकन ने कहा कि दिल्ली में आप पार्टी के 67 विधायक हैं जिसमें से 52 विधायक दिल्ली से बाहर चुनाव में गए हुए थे। पूरा मंत्रीमंडल दिल्ली से बाहर था। श्री माकन ने कहा कि दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी को अप्रत्याशित बहुमत क्या इसलिए दिया था कि दिल्ली के मुख्यमंत्री, मंत्री व विधायक दिल्ली के विकास की अनदेखी करके अपनी राजनीति चमकाने के लिए दिल्ली से बाहर रहें।

श्री माकन ने कहा कि भारतीय परंपरा में एक रीत है कि जब कोई नवदंपती शादी के बाद घर आता है या विदेश जाने के बाद काफी समय के बाद वापस घर आता है तो उसका स्वागत घर के द्वार पर कलश रखकर सरसों के तेल को जमीन पर डालकर स्वागत किया जाता है, उसी प्रकार आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आप पार्टी के मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों का घर वापसी पर स्वागत करके यह दर्शाया कि वैसे तो दिल्ली में विकास आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने के बाद से ठप्प पड़ा और ऐसे समय में इन मंत्रियों व विधायकों का राजनीति के लिए दिल्ली को छोड़ना बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण था।

# आप द्वारा फर्जी ऑडिट रिपोर्ट की सी.बी.आई. जांच हो: गुप्ता

**नई दिल्ली/संजय :** दिल्ली विधानसभा में, विपक्ष के नेता विजेन्द्र गुप्ता ने आयकर विभाग से मांग की कि वह आम आदमी पार्टी के विरूद्ध 27 करोड़ रू. की फर्जी ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने पर सी.बी.आई. जांच करवाये। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी पर लगाये गये आरोप इतने गंभीर और व्यापक हैं कि गहन जांच के उपरांत ही पूरे तथ्य सामने आ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आयकर विभाग ने आम आदमी पार्टी का राजनीतिक स्टेट्स समाप्त करने की जो सिफारिश की है, उसकी गंभीरतापूर्वक जांच होनी चाहिए। आयकर विभाग ने कहा है कि वर्ष 2013-14 में 20.5 करोड़ और वर्ष 2014-15 में 6.5 करोड़ रू. की दान राशि संदिग्ध स्त्रोतों से दी गई है। बार-बार बुलाये जाने पर भी पार्टी ने विभाग के साथ सहयोग नहीं किया। इससे स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि पार्टी द्वारा फंडिंग को लेकर गंभीर घपलेबाजी की गई है। विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी राजनीतिक फंडिंग को पारदर्शी और ईमानदार बनाने में जुटे हुए हैं।

अब किसी व्यक्ति विशेष द्वारा 2000 रू. से अधिक नगद द्वारा दान पर रोक लगा दी गई है। ऐसे में प्रधानमंत्री या भाजपा को दोष देना अन्यायपूर्ण है। केजरीवाल अपनी पार्टी के कुकृत्यों के लिए प्रधानमंत्री को दोष नहीं दे सकते। पार्टी ने दान देने वालों की लिस्ट काफी समय पहले ही अपनी वेबसाइट से हटा दी थी। इससे लग रहा था कि दाल में कुछ काला है। अब आयकर विभाग की कार्यवाही से स्पष्ट हो गया है कि पार्टी ने फंडिंग को लेकर बड़ा घपला किया है।

# आसाराम को फिर नहीं मिली राहत

**नई दिल्ली :** पिछले दिनों फर्जी मेडिकल कागजात पेश करने के मामले में उच्चतम न्यायालय का कोपभाजन बन चुके प्रवचनकर्ता आसाराम बापू को एक बार फिर न्यायालय से झटका लगा, क्योंकि इसने गुजरात बलात्कार कांड में उनकी जमानत याचिका ठुकरा दी।

न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि पहले राजस्थान से जुड़े मामले को जल्द से निपटाने की जरूरत है। आसाराम ने स्वास्थ्य को आधार बनाकर जमानत पर रिहा किये जाने का अनुरोध किया था। शीर्ष अदालत ने यह कहते हुए जमानत देने से इन्कार कर दिया कि उनकी हालत इतनी भी खराब नहीं है कि उनका जोधपुर में इलाज न किया जा सके।

न्यायालय ने पिछले दिनों भी आसाराम बापू की जमानत याचिका खारिज कर दी थी और उनपर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। न्यायालय ने उन्हें झूठी मेडिकल रिपोर्ट देकर जमानत की अर्जी लगाने का दोषी पाया है। इस मामले में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने के भी निर्देश दिए गए हैं। आसाराम को जोधपुर पुलिस ने 31 अगस्त 2013 में गिरफ्तार किया था और तभी से वह जेल में हैं। आसाराम पर कथित तौर पर अपने ही आश्रम की एक नाबालिग से यौन दुष्कर्म का आरोप है और वह जोधपुर केंद्रीय जेल में बंद हैं।

# इंडिगो मामले में पायलट को ड्यूटी से हटाया, दो इंजीनियर निलंबित

**नई दिल्ली : दिल्ली** के इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इंडिगो के एक विमान के रनवे पार कर जाने के मामले में विमान के पायलट को ड्यूटी से हटा दिया गया है जबकि दो इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया है। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि "उस समय घना कोहरा था और पायलट के लिए सूचक लाइटों के इस्तेमाल के अलावा रास्ता तय करने का और कोई विकल्प नहीं था। डब्ल्यू लेन इस्तेमाल में नहीं था और इसलिए उसकी बत्ती बंद होनी चाहिये थी लेकिन, उसकी बत्ती जल रही थी जिसके कारण पायलट को गलतफहमी हुई और वह सीधा आगे बढ़ता हुआ रनवे के पार डब्ल्यू लेन में पहुँच गया।

इसके लिए जिम्मेवार इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों को निलंबित किया गया है।" दोनों निलंबित इंजीनियर हवाई अड्डे की संचालक कंपनी दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) के कर्मचारी हैं। डब्ल्यू लेन पर उस समय जेट एयरवेज का एक विमान खड़ा था। और उक्त अधिकारी ने बताया कि दोनों विमान मेहज कुछ मीटर से टकराने से बच गये। घटना 01 फरवरी की सुबह पौने छः बजे की है। इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 719 को विशाखापत्तनम के लिए उड़ान भरनी थी। उसे रनवे 28 से होते हुये टैक्सी करके सी लेन में जाने के लिए कहा गया था। उस लेन पर जाने के लिए विमान को दाहिनी ओर ले जाना था जबकि सामने की ओर डब्ल्यू लेन में जेट एयरवेज का एक विमान खड़ा था।

अधिकारी ने बताया कि सी लेन और डब्ल्यू लेन दोनों की बत्ती जलती रहने के कारण पायलट को गलत फहमी हुई। इसी गलती के कारण पायलट को ड्यूटी से हटाया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जाँच की जा रही है। घटना से दो दिन पहले 30 जनवरी को भी दोनों लेनों की बत्ती जल रही थीं और गो-एयर के पायलट ने एटीसी को इसकी सूचना देते हुये चेतावनी दी थी कि इससे कोई हादसा भी हो सकता है।

# हत्या मामले में दो सुपारी किलर समेत तीन गिरफ्तार

**नई दिल्ली :** दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गत वर्ष अक्टूबर में गीता कॉलोनी में एक व्यक्ति की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें से दो सुपारी किलर हैं। अपराध शाखा के संयुक्त आयुक्त रवीन्द्र यादव ने बताया कि आरोपियों की पहचान दिलशाद, फारुख मेज़हर और बिलाल तनसीर के रूप में की है। श्री यादव के अनुसार गत वर्ष 23 अक्टूबर को गीता कालोनी थाने मे पीसीआर कॉल आई थी कि तीन चार लोगों ने एक व्यक्ति पर गोली चलाई है।

घटना स्थल पर पहुंची पुलिस टीम को जमीन पर खून के धब्बे मिले। उसने मौके से कांच के टुकड़े, दो पिस्तौल और पांच खाली कारतूस बरामद किए।

आस-पास से मिली जानकारी से पता चला कि विनोद शर्मा नाम के एक शख्स को गोली मारी गई है जिसे मैक्स अस्पताल ले जाया गया है जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। घटना की छान बीन शुरु हुई तो पता चला कि विनोद के बीजनेस पार्टनर आकाश ने उसकी हत्या करवाई है। हत्या के लिए उसने भाड़े के कातिलों को पैसा दिया था। यह मामला दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर अपराध शाखा को हस्तांतिरित किया गया था। मामले के तीनों आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं।

# बजट 2017 व्यापारियों के लिए सर्वश्रेष्ठः तिवारी

**नई दिल्ली/योगेश कश्यप :** भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने बजट 2017 पर वर्ल्ड वैश्य फाउन्डेशन द्वारा आयोजित परिचर्चा को सम्बोधित किया। इस अवसर पर फाउन्डेशन के पदाधिकारियों ने तिवारी का अभिनन्दन भी किया और उन्हें भाजपा के लिए सहयोग राशि के चैक भेंट किये। परिचर्चा में बोलते हुये तिवारी ने कहा कि बजट 2017 एक वार्षिक बजट ही नहीं है अपितु यह ईमानदार करदाताओं के सम्मान एवं गरीबों के लिए मानवीय चिंतन के साथ भारत की अर्थव्यवस्था में स्वस्थ्य परिवर्तन लाने की प्रक्रिया का प्रारम्भ है।

उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट लघु उद्योग और व्यापारियों के लिए श्रेष्ठ बजट है। जहां यह बजट उत्पादन बढ़ाने में सहयोग देगा वहीं दूसरी ओर यह समाज कल्याण योजनाओं विशेषकर प्रधानमंत्री द्वारा कल्पित सबके लिए मकान की योजना की पूर्ति में सहयोगी बनेगा। तिवारी ने देश के विकास में व्यापारियों के योगदान की सराहना की है और कहा कि विश्व में पिछले कुछ दशकों में अनेक बार आर्थिक मंदी आई पर भारत उसके गंभीर परिणामों से बचा क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था में छोटे व्यापारियों एवं उद्यमियों का बड़ा योगदान है। जिनकी बचत लगातार व्यापार में वापस जुड़ती है।

तिवारी ने कहा कि यह दुख का विषय है कि कांग्रेस सरकारों ने व्यापारियों को कर चोर के रूप में देखा और इंस्पेक्टरों के रेड राज से उन्हें परेशान किया। आज देश में ऐसी सरकार है जो व्यापारियों के योगदान का सम्मान करती है और ऐसा बजट लाई है जिसमें न सिर्फ व्यापारियों को घटी कर दरों का लाभ मिलेगा वहीं उन्हें बैंक लोन एवं अन्य वित्तीय सहयोग भी मिलेगा।

उन्होंने कहा कि नई कर नीति अब किसी के पास कर चोरी का कोई कारण नहीं छोड़ेगी और शीघ्र ही हमारी अर्थ व्यवस्था में सबसे अधिक ईमानदार करदाता होंगे। तिवारी ने कहा कि यह खेद का विषय है कि केजरीवाल सरकार दिल्ली बजट 2016-17 में किये गये आर्थिक प्रावधानों का उपयोग नहीं कर पाई है और दिल्ली में विकास कार्य ठप्प हो गया है। विमुद्रीकरण की प्रक्रिया के लिए प्रधानमंत्री द्वारा मांगे गये 50 दिनों के दौरान केजरीवाल सरकार ने न सिर्फ केन्द्र से असहयोग किया बल्कि दिल्ली के लोगों में केन्द्र के प्रति वैमनस्य पैदा करने के लिए व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर वैट विभाग के रेड एवं सर्वेक्षण करवाये।

श्री तिवारी ने अधूरी सूचना देकर दिल्ली की जनता को गुमराह करने के लिए दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की निंदा की। उन्होंने कहा कि संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली को केन्द्र सरकार से विभिन्न मदों में आर्थिक सहायता मिलती है और केन्द्र सरकार की दिल्ली में अनेक विकास योजनायें खासकर स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में चलती हैं जिनका सीधा लाभ दिल्ली के नागरिकों को मिलता है। इस सबके बावजूद मनीष सिसोदिया ने दिल्ली की जनता को गुमराह करने के लिए केवल दिल्ली के केन्द्रीय करों में सीधे हिस्से की राशि का तो उल्लेख किया है पर विभिन्न अन्य मदों में केन्द्र से मिलने वाली राशियों पर चुप्पी साध गये।

# विशाल भंडारे के साथ की गई मां सरस्वती की पूजा

**नई दिल्ली/पवन कश्यप :** सामाजिक संगठन सम्पूर्णा और युवाशक्ति मित्र मण्डल ने बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना और पूजन के बाद मानव कल्याण तथा विश्व शांति के लिए महायज्ञ का आयोजन किया गया। विशाल भण्डारे के आयोजन से हजारों भक्तों ने मां का प्रसाद ग्रहण किया। पूजन महोत्सव की अध्यक्षता सम्पूर्णा संस्थापिका डॉ. शोभा विजेन्द्र ने किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए डा. शोभा ने कहा कि वाग्देवी मां सरस्वती की कृपा के कारण ही आज सारा विश्व ज्ञान भण्डार से परिपूर्ण है। जो लोग बसंत पंचमी पर मां की पूजा आराधना श्रद्धा समर्पण और भक्ति के साथ करते हैं उन पर सदैव मां वीणा वादिनी की कृपा बनी रहती है। ऐसे लोगों को कभी भी धन तथा अन्य शारीरिक संकट नहीं सताते हैं। उन्होंने बताया कि सम्पूर्णा की ओर से हर वर्ष बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा आयोजित की जाती है। इस बार यह छठा विशाल पूजन महोत्सव आयोजित किया गया है। महोत्सव में नेता प्रतिपक्ष तथा रोहिणी विधानसभा क्षेत्र के युवा लोकप्रिय विधायक विजेन्द्र गुप्ता, वार्ड 52 की निगम पार्षद नीलम गोयल, उत्तरी दिल्ली नगर निगम स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रवेश वाही, भाजपा वार्ड समिति रोहिणी के अध्यक्ष देवेन्द्र सोलंकी, सुभेन्दु शेखर आदि गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। मंच संचालन भाजपा वार्ड 50 मण्डल अध्यक्ष आलोक शर्मा और युवामोर्चा अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने किया।

## महिला आयोग ने छत्तीसगढ़ की लड़की को तस्करों से बचाया

**नई दिल्ली :** दिल्ली महिला आयोग ने छत्तीसगढ़ की एक नाबालिग लड़की को मानव तस्करों से बचा लिया। लड़की छत्तीसगढ़ में अपने रिश्तेदार से मिलने जा रही थी, लेकिन गलत ट्रेन में बैठकर दिल्ली आ गई। रेलवे स्टेशन पर वह मानव तस्करों के हत्थे चढ़ गई और उन्होंने उसका सौदा कर डाला। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। 15 वर्षीय नाबालिग लड़की पिछले साल अक्टूबर के महीने में छत्तीसगढ़ में अपने किसी रिश्तेदार के यहा ट्रेन से जा रही थी लेकिन गलती से वह किसी दूसरी ट्रेन में बैठ गई और भटकते हुए दिल्ली पहुंच गई। जहा रेलवे स्टेशन पर एक मानव तस्कर उसे मदद के बहाने से सराय काले खां क्षेत्र में ले गया।

## रेलवे स्टेशन के बाहर अवैध कब्जे को लेकर नगर निगम गंभीर नहीं: सुरेखा गुप्ता

**नई दिल्ली/अजयः** चांदनी चौक की पार्षद सुरेखा गुप्ता ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के बाहर अवैध कब्जे पर चिंता जताते हुए दिल्ली पुलिस और नगर निगम से ठोस कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि उत्तरी दिल्ली दिल्ली नगर निगम और दिल्ली पुलिस की उदासीनता से पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश और निकास द्वार पर सैकड़ों रेहड़ी पटरी वालों ने कब्जा जमा रखा है। वहीं, ऑटो, मिनी बस और रिक्शे वालों का भी जमावाड़ा लगा रहता है। इस कारण रेलवे यात्रियों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि रेहड़ी-पटरी वालों का कब्जा फुटपाथ पर भी है, जो वर्षों से काबिज हैं। यहां तमाम गैरकानूनी कामों को भी अंजाम दिया जाता है। नशे की बिक्री होती है। यात्रियों के सामान चोरी होने और जेब कटने की वारदात अक्सर होती रहती हैं। अतिक्रमण के कारण स्टेशन की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा हो गया है।

वैसे भी रेलवे स्टेशन आतंकी हमले को लेकर संवेदनशील स्थानों में से एक है। गुप्ता के मुताबिक इन सबको देखते हुए जरूरी है कि रेलवे स्टेशन के बाहर के फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कर साफ-सुथरा रखा जाए।

## शास्त्री पार्क को जाम मुक्त करने की योजना भेजी गई यूटीपेक

**नई दिल्ली/मनोजः** उत्तरी पूर्वी जिले के शास्त्री पार्क इलाके को जाम मुक्त करने की योजना को अब पंख लगने की उम्मीद है। लोक निर्माण विभाग ने इस योजना को स्वीकृति के लिए यूटीपेक (यूनीफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर (प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग) सेंटर) में भेज दिया है। अनुमति मिलने के बाद विभाग इस योजना पर आगे का काम शुरू करेगा। योजना के सिरे चढ़ने से शास्त्री पार्क लालबत्ती चौक पर लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिलेगी। यहां फ्लाईओवर बनाया जाएगा।

शास्त्री पार्क लालबत्ती चौक दिल्ली के अव्यवस्थित चौराहों में शामिल है। वर्ष 2007 में इसे सिग्नल फ्री किए जाने की योजना पर काम करने की बात कही गई थी। प्राथमिक स्तर पर नक्शा भी तैयार कर लिया गया था।

**आप कहीं भी रहते हों गांव-कस्बा शहर तब भी आप हमसे जुड़ सकते हैं अगर आप में**

- कुछ करने की क्षमता है
- अपने आस पास के क्राइम को दूर करना चाहते हैं
- विज्ञापन में रुचि रखते हैं
- साहित्यिक सोच वाले हैं
- समाचार संवाददाता बनना चाहते हैं
- राजभाषा हिंदी में प्रकाशित होना चाहते हैं

अखबार से जुड़ने, प्रसार, प्रचार में दिलचस्पी रखते हैं तो उठाए कलम और 'सत्यम लाइव' राष्ट्रीय समाचार पत्र में अपनी रचना, रिपोर्ट तथ्यों सहित शीघ्र भेजें-

विज्ञापन तथा रिपोर्टिंग का काम साथ करने वालों तथा नौजवान युवक-युवतियों व अनुभव वाले लोगों को विशेष महत्व दिया जाएगा।

मोंबाइल नं. 7503000220
E-mail.satyamlive@yahoo.com

मोतिया बिन्द ऑपरेशन
प्रसिद्ध आई सर्जनः डा. आर.वी.सिंह MBBS, MS द्वारा
मात्र 10 हजार से शुरू

R.V.S. EYE CENTRE
Vision For All
BFH-09, SHALIMAR BAGH, Som Bazar Road, Delhi-88
PH: 011-27478745, 9811671606 , 7838519783
रजिस्ट्रेशन मात्र 500 रू 1 फरवरी से 15 फरवरी तक, रजिस्ट्रेशन पहले करायें, ऑपरेशन का नम्बर पहले पायें।

# जनता मांगे विकास, प्रत्याशी ढूंढ रहे जाति

**साहिबाबाद/योगेश कश्यप:** विधानसभा चुनाव में विकास बनाम बिरादरी का माहौल बन गया है। शिक्षित व जागरूक मतदाताओं के एक बड़े तबके को ऐसे प्रत्याशी की तलाश है, जिस पर वह विकास कार्य कराने का भरोसा कर सके। दूसरी तरफ तमाम प्रत्याशी विकास के मुद्दे पर ही चुनाव लड़ने की बात करते हैं लेकिन अंदरखाने बिरादरी का कार्ड खेल रहे हैं। यह प्रत्याशी वोट में जाति ढूंढ रहे हैं। यही कारण है कि प्रत्याशियों का मोहन नगर इलाके पर ज्यादा ध्यान केंद्रित है, जहां पर विभिन्न जातियों के वोट बड़ी संख्या में हैं।

दरअसल, विकास के मामले में तमाम प्रत्याशी बैकफुट पर हैं। पिछले वर्षों में न किसी ने अपेक्षित विकास कराया और न विकास के लिए आवाज उठाई। 2012 के विस चुनाव में जिन प्रमुख समस्याओं के हल करने का वादा किया गया था, वह समस्याएं आज भी ज्यों की त्यों हैं। सूबे के सबसे बड़े इस विस क्षेत्र में एक सरकारी अस्पताल तक नहीं है। करीब ढ़ाई साल पहले इंदिरापुरम ज्ञान खंड चार में नगर निगम की जमीन पर आवास विकास परिषद ने अस्पताल भवन बनाने की योजना बनाई थी।

इसका स्थानीय लोगों ने यह कह कर विरोध किया था कि अस्पताल कालोनी के बाहर बनना चाहिए। लेकिन कालोनी के बाहर अस्पताल बनाने का प्रयास नहीं किया गया। वसुंधरा के सेक्टर 7-8 में अस्पताल बनाने की मांग

आरडब्ल्यूए लंबे समय से करती आ रही है। लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

आठ लाख 61 हजार मतदाताओं के इस क्षेत्र में एक भी डिग्री कालेज नहीं है। पिछले सान दिवाली के मौके पर सांसद वीके सिंह ने साहिबाबाद में डिग्री कालेज बनाने का एलान किया था। यह उनकी चुनावी घोषणा ही साबित हुई, क्योंकि अब तक डिग्री कालेज के लिए कोई जमीन तलाश तक नहीं की गई है। 2012 के चुनाव में स्टेडियम बनवाने का वादा प्रत्याशियों ने किया था। आवास विकास ने वसुंधरा सेक्टर-7 में स्टेडियम बनाने की बात कही थी लेकिन स्टेडियम भी हवा में है। यह कब बनेगा, कहां बनेगा, यह बताने वाला कोई नहीं है। टीएचए के अधिकांश इलाकों में सीवर व ड्रेनेज सिस्टम चौपट है। अक्सर घरों में गंदा पानी आता है तो बाहर सड़क पर सीवर ओवरफ्लो हो जाता है। मोहन नगर जोन में गंगाजल की मांग लंबे समय से लंबित है। इस जोन के करीब तीन दर्जन कालोनियों में ट्यूबवेल से पानी की सप्लाई होती है, वह भी दो दिन में एक बार, एक घंटे के लिए। कौशांबी, वैशाली, वसुंधरा, और इंदिरापुरम में अब तक किसी भी दल के प्रत्याशी वोट मांगन नहीं आए हैं। दरअसल ये वो इलाके है जहां देश के विभिन्न कोनों से आकर लोग बसे हैं। ये जाति धर्म से दूर होकर सिर्फ विकास चाहते हैं। प्रत्याशियों को भी पता है कि इन्हें वादों से फुसलाया नहीं जा सकता, इन्हें विकास के मुद्दे पर ठोस जवाब देना पड़ेगा। इलाकों में लोगों ने यह तैयारी कर रखी है कि प्रत्याशी आएंगे तो उनसे समस्याओं के समाधान का लिखित में आश्वासन मांगा जाएगा।

## शाहदरा बार एसोसिएशन के सचिव को धमकी

**पूर्वी दिल्ली//योगेश कश्यप :** कड़कड़डूमा अदालत में शाहदरा बार एसोसिएशन के वर्तमान सचिव डीडी पांडेय को जान से मारने की धमकी मिली है। इस बारे में उन्होंने बृहस्पतिवार को कड़कड़डूमा अदालत के चौकी प्रभारी को शिकायत दी है। पांडेय ने दो वकीलों से अपनी व परिवार की जान को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराने की मांग की है। पांडेय ने बताया है कि शाम साढ़े सात बजे के करीब अनजान नंबर से कॉल आई और धमकी मिली। कॉल पर दूसरी ओर से खुद को वकील स्वर्ण च्सह बताते हुए गालियों के साथ ही जान से मारने की धमकी दी। फोन पर उस व्यक्ति ने कहा, तुमने मुझे व वकील सुरेंद्र शर्मा को बार विरोधी गतिविधियों में शामिल व बार की गरिमा को ठेस पहुंचाने संबंधी कानूनी नोटिस भेजकर ठीक नहीं किया। हम लोग तुझे नहीं छोड़ेंगे और जान से मारकर तेरा नाम शहीदों में लिखवा देंगे। मेरे पास मेरे हथियार हैं किसी से मांगने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

## केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने संभाली भाजपा चुनाव की कमान

**गाजियाबाद/मनोज :** केंद्रीय युवा कल्याण एवं खेलकूद मंत्री विजय गोयल ने गाजियाबाद और मुरादनगर सीट पर चुनाव की कमान संभाल ली है। बताया जा रहा है कि मतदान तक अब गाजियाबाद में ही विजय गोयल रहेंगे और 50 से अधिक बैठकों में हिस्सा लेंगे। बृहस्पतिवार को विजय गोयल नेहरूनगर स्थित भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय कार्यालय पर पहुंचे। महानगर अध्यक्ष अजय शर्मा, महामंत्री राजीव अग्रवाल, अशोक गोयल, राहुल गोयल सहित अन्य कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया।

पहले दिन विजय गोयल ने कार्यकताओं से मुलाकात कर सीटों के बाबत जानकारी ली। वह बृहस्पतिवार को क्षेत्र में नहीं निकले। शुक्रवार से गाजियाबाद और मुरादनगर सीट पर वह प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल तैयार करने का काम करेंगे। इन दोनों सीट पर उम्मीदवार वैश्य वोट बैंक के मामले में पिछड़ते नजर आ रहे हैं। चर्चा है कि विजय गोयल के जरिए भाजपा गाजियाबाद और मुरादनगर सीट पर वैश्य मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का काम करेगी। बताया जा रहा है कि पार्टी हाईकमान की पहले चरण के चुनाव पर पैनी नजर है। इसे देखते हुए वरिष्ठ नेताओं को भी माहौल तैयार करने के लिए मैदान में उतार दिया गया है। युवा कल्याण एवं खेलकूद मंत्री के गाजियाबाद आने से प्रत्याशियों में भी खुशी देखी जा रही है। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व कुछ और नेताओं को भी चुनाव मैदान में प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार और बैठकों के लिए उतार सकती है।

## अब मैं नोएडा का हूं और यहां की सारी समस्याएं मेरी हैं : पंकज सिंह

**नोएडा/पवन कश्यप।** दिमाग हमेशा नतीजों पर। मतदाताओं को अपनी तरफ खींचने की चिंता। कार्यकताओं को दिशा-निर्देश। जेब में घनघनाता फोन। इन सबके बीच परिवार के साथ थोड़ा समय बिताने की जद्दोजहद। दैनिक जागरण के संवाददाता प्रभात उपाध्याय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नोएडा प्रत्याशी पंकज सिंह के साथ एक दिन गुजारा और जानने का प्रयास किया कि चुनाव के दौरान प्रत्याशी की दिनचर्या क्या होती है। पंकज सिंह पिछली रात को करीब डेढ़ बजे सोए थे और सुबह सवा छह बजे जग गए। चुनाव से पहले वह नियमित एक्सरसाइज और योग करते थे, लेकिन अब भागदौड़ में यह छूट गई है। नित्यक्रिया से निवृत होने के बाद वह करीब 20 मिनट पूजा करते हैं। नाश्ते की टेबल पर पहुंचने से पहले ही फोन घनघनाना शुरू हो जाता है। आपाधापी में हल्का-फुल्का नाश्ता कर चुनाव कार्यालय के लिए निकल जाते हैं।

पंकज सिंह करीब दस बजे अपने चुनाव कार्यालय पर पहुंचे। यहां पहले से ही करीब सौ कार्यकर्ता उनका इंतजार कर रहे थे। पंकज सिंह के यहां पहुंचने से पहले ही उनके छोटे भाई नीरज सिंह कार्यकताओं से

मुलाकात कर जा चुके थे और केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा कार्यकताओं से बातचीत कर रहे थे। पंकज सिंह जब कार्यालय पहुंचे तो कार्यकताओं ने उन्हें घेर लिया। कुछ कार्यकर्ता फोटो और सेल्फी लेते भी दिखे। इस बीच उन्होंने कार्यकताओं से मुलाकात की, दिशा-निर्देश दिया और दिनभर के कार्यक्रम की जानकारी ली।

पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार पंकज सिंह सेक्टर-40 पहुंचे। यहां डी ब्लॉक में करीब पचास लोग उनका इंतजार कर रहे थे। जिसमें अधिकतर बुजुर्ग थे। पंकज सिंह ने बुजुर्गों का पैर छूकर आशीर्वाद लिया और जब बोलने खड़े हुए तो लगा कि एक-एक शब्द तौलकर और सोच समझकर बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरा नोएडा से पुराना रिश्ता रहा है और अब मैं यहीं का हूं। उन्हें हल कराना प्राथमिकता है। यहां करीब पौना घंटा बिताने के बाद वह सलारपुर में आयोजित अगली सभा के लिए निकले। यहां से डॉ. महेश शर्मा अलग हो लिए और मौजूदा विधायक विमला बाथम उनके साथ चल पड़ीं।

सेक्टर-40 के बाद पंकज सिंह कार्यकताओं के साथ सलारपुर पहुंचे। यहां करीब आधा घंटा गुजारा। उसके बाद भंगेल, आरडी त्यागी मेमोरियल स्कूल, भंगेल पुलिस चौकी, भंट्टा कॉलोनी होते हुए शाम को करीब चार बजे नंगला चरणदास गांव पहुंचे।

## डीयू के कॉलेज भी अब रिक्त पदों पर कर सकेंगे भर्तियां

**नई दिल्ली/संजय सिंह :** दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) प्रशासन ने अब कॉलेजों को भी उनके यहां रिक्त पदों को भरने के लिए हरी झंडी दे दी है। डीयू के वरिष्ठ अधिकारियों की कॉलेजों के प्रिंसिपलों संग हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है, लेकिन कॉलेजों के लिए यह आसान नहीं है। क्योंकि कई कॉलेजों में जहां रोस्टर की समस्या है, वहीं तदर्थ शिक्षकों ने भी रिक्त पदों पर उनकी ही नियुक्ति करने के लिए मोर्चा खोल रखा है।

डीयू के उपकुलपति और डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो.देवेश सिंहा ने कॉलेजों के प्रिंसिपलों को जल्द शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। उन्होंने कहा कि कॉलेजों को अपना वर्कलोड तय करने तथा रोस्टर व अन्य समस्याओं का समाधान करके विश्वविद्यालय को सूचित करने के लिए कहा गया है। यदि किसी तरह की समस्या आ रही है और उसका समाधान विश्वविद्यालय स्तर पर किया जा सकता है तो वह किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई कॉलेज अपने यहां मौजूदा कोर्स में विस्तार चाहता है या नए कोर्स शुरू करना चाहता है तो उसके बारे में बता सकता है।

ज्ञात हो कि डीयू के विभिन्न कॉलेजों में शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक के लगभग 4 हजार पद खाली हैं। तदर्थ शिक्षक लगातार मांग कर रहे हैं कि वह जहां पर पढ़ा रहे हैं वहीं पर उनको स्थाई किया जाए। कुछ कॉलेज के प्रिंसिपल इसे सकारात्मक रूप में ले रहे हैं, लेकिन कई कॉलेजों में अंदरुनी समस्याओं और प्रिंसिपल के स्थाई पद न होने के कारण इसमें बाधा आ सकती है।

चौ. चरण सिंह
पूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार

अजीत सिंह
अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्र उड्डयन मंत्री भारत सरकार

जयंत चौधरी
पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव

राष्ट्रीय लोकदल

रजनीश मलिक
प्रभारी दिल्ली प्रदेश
सम्पर्क :
9899330090

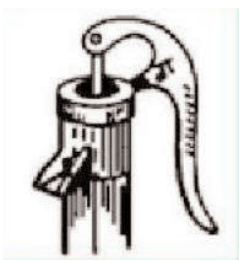

चौ. विकास तोमर
बुराड़ी विधानसभा
यूथ अध्यक्ष
सम्पर्क :
9560145546

दिल्ली प्रदेश कार्यालय
100 फुटा रोड़ संत नगर बुराडी
दिल्ली-110084

राष्ट्रीय लोकदल के सदस्य बनने के लिए सम्पर्क करें

# वसंतोत्सवः अब चालीस दिन तक ब्रज में गोपिकाओं का राज

**मथुरा/अजय** । ब्रज में नारी सशक्तीकरण की मिसाल मिसाल बना वसंतोत्सव आज से शुरू हो गया। पंचमी पर ब्रज में वसंत जमकर खिलखिलाया। बांके बिहारी मंदिर में पीत वस्त्रों में सजे ठाकुर को निरखने के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। ठाकुर ने अपने भक्तों पर जमकर अबीर-गुलाल उड़ाया, तो श्रद्धालु भी निहाल हो उठे। श्याम रंग में रंगे भक्तों के आनंद की पार नहीं है। आज वसंत पंचमी पर बांके बिहारी ने अपने भक्तों संग होरी खेली। मंदिर में अबीर-गुलाल उड़ा। ठाकुर जी का वासंती श्रृंगार हुआ। सुबह नौ बजे सेवायतों ने ठाकुरजी की ओर से रंग और गुलाल की बौछार शुरू कर दी। दोपहर एक बजे राजभोग आरती तक ये सिलसिला जारी रहा। वसंत पंचमी आते ही यहां की महक ही कुछ इस उठती है कि फागुन के भी कदम ठिठक जाते हैं। यहां गुलाल बिखरने लगता है। फागुन उत्सव चालीस दिन चलता है। इस दौरान ब्रज की गोपियां का राज रहता है।

**वसंत पंचमी पर बांके बिहारी ने अपने भक्तों संग होरी खेली।**

राधावल्लभ मंदिर में ठाकुर जी ने वासंती श्रृंगार में भक्तों को जगमोहन में दर्शन दिए। मंदिर में वसंत के पदों का गायन हुआ। राधारमण मंदिर में भी ठाकुर पीत वस्त्र धारण कर जगमोहन में आए। वसंत पंचमी पर उन्हें आम की बौर व सरसों के फूल अर्पित किए गए। शाहजी मंदिर में वसंती कमरे की भव्यता को देखने श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। नवाबी अंदाज में विराजमान ठाकुरजी के दर्शन कर भक्त निहाल हो गए। कमरे में प्रवेश करते ही

बासंती प्रकाश दिल को ऋतुराज वसंत के आगमन का संदेश दे रहा था। इस मंदिर का यह कमरा साल में एक बार ही केवल वसंत पंचमी को खोला जाता है।

राधाकृष्ण के अलौकिक प्रेम की झलक आज भी ब्रज की होली में मिलती है। इसे बरसाना और नंदगांव के हुरियारे और हुरियारिनों के बीच के संवादों में साफ दिखता है। बरसाना की हुरियारिनें राधा और उनकी सखियों का प्रतिनिधित्व करती हैं, तो नंदगांव के हुरियारे कृष्ण और उनके सखा का। फाल्गुन में रस और रंग से सराबोर यही दृश्य चालीस दिन तक ब्रज में देखने को मिलते हैं।

हरिगोपाल भट्ट ने कहा है- अनुपम होरी होत है यहां लठ्ठों की सरनाम, अबला सबला सी लगे यूं बरसाने की वाम। लट्ठ धरे कंधा फिरे, जबई भगावे ग्वाल, जिम महिषासुर मर्दिनी रण में चलती चाल।

# लखनऊ में विवाहिता गोमती नदी में कूदी, गोताखोरों ने बचाया

**लखनऊ/योगेश कश्यप।** प्रदेश की राजधानी में ससुराल वालों की प्रताडना से परेशान होकर आज एक महिला ने गोमती नदी में छलांग लगा दी। महिला को गोमती नदी में कूदते देख होमगार्ड के इंस्पेक्टर वीके सिंह ने गोताखोरों की मदद से महिला को बाहर निकाला।

गोमतीनगर थाना की फोर्स सूचना के दो घंटे बाद भी वहां नहीं पहुंची। लखनऊ में गोमतीनगर में 1090 चौराहा के पास आज एक महिला ने गोमती नदी में छलांग लगा दी। महिला ससुराल वालों की प्रताडना से परेशान

होकर गोमती में कूदी। होमगार्ड के इंस्पेक्टर वीके सिंह ने गोताखोरों की मदद से बचाया। इसके बाद इन लोगों ने महिला के परिवारीजनों को सूचना दी। महिला को उसके भाई दीपू अपने साथ ले गए। महिला पेपर मिल कालोनी भीखमपुर की रहने वाली है। उसका विवाह स्नेहनगर आलमबाग निवासी अंकित से हुआ था। अंकित तथा उसके परिवार के लोगों ने महिला को 31 दिसम्बर को मार पीट कर भगा दिया था। महिला के गोमती नदी में कूदने की सूचना के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची जबकि वहां से चंद कदम की दूरी पर पुलिस चौकी के साथ ही मार्डन पुलिस कंट्रोल रूम भी हैं।

## एक लाख रुपये की रिश्वत लेते ब्वायलर निदेशक गिरफ्तार

**कानपुर।** एक लाख रुपये की रिश्वत लेते ब्वायलर निदेशक संदीप कुमार गुप्ता को श्रमायुक्त कार्यालय भवन स्थित उनके कार्यालय से विजिलेंस विभाग की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। उन्हें काकादेव थाने लाया गया जहां से शुक्रवार को लखनऊ स्थित भ्रष्टाचार निवारण न्यायालय में पेश किया जाएगा।

गाजियाबाद की ब्वायलर निमार्ता कंपनी पंछी इंडस्ट्रियल सर्विसेज के मैनेजर अमित अग्रवाल ने एसपी विजिलेंस संजय कुमार से शिकायत की कि ब्वायलर निदेशक उनसे एक लाख रुपये रिश्वत मांग रहे हैं। बिना रिश्वत वह ब्वायलर स्थापना का सर्टिफिकेट देने से मना कर रहे हैं। एसपी विजिलेंस ने तुरंत ही डायरेक्टर जनरल (विजिलेंस) भानू प्रताप सिंह को जानकारी दी तो उन्होंने रिश्वत लेने वाले को रंगे हाथ पकडने की व्यवस्था करने को कहा। एसपी संजय कुमार की अगुवाई में टीम श्रमायुक्त भवन स्थित ब्वायलर निदेशक कार्यालय के बाहर पहुंच गयी। जैसे ही निदेशक ने नोट अपने हाथ में लिये, टीम भी अंदर पहुंच गयी। टीम ने उनके हाथ से नोटों का बंडल लेकर उनके हाथ पानी के मग में डाले तो पानी का रंग लाल हो गया।

# कानपुर हादसा: 14 घंटे बाद निकाली गई तीन वर्ष की बच्ची, पांच निलंबित

**कानपुर/पवन कश्यप।** समाजवादी पार्टी के नेता मेहताब आलम के अवैध निर्माण ढहने के दौरान मलवे में दबी तीन वर्ष की बच्ची को 14 घंटे के रेस्क्यु ऑपरेशन के दौरान बचा लिया गया। नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) की टीम को बिल्डिंग गिरने के कुछ घंटों बाद ही रेस्क्यु ऑपरेशन में सेना की टीम के साथ लगाया गया था। एनडीआरएफ की बटालियन ने एक तीन वर्ष की बच्ची को 14 घंटे के बाद रेस्क्यु ऑपरेशन के बाद सकुशल बाहर निकाल कर बचा लिया। अब यह मासूम चर्चा का विषय बनी हुई है। हादसे की सूचना पर 4 बजे लखनऊ से एनडीआरएफ की बटालियन पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान एनडीआरएफ की टीम ने लाइफ सेंसर लगाकर जांच की तो पता चला की मलबे में कोई अंदर फंसा है।

टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत मलबे में दबी बच्ची को सुबह तड़के करीब चार बजे सुरक्षित बाहर निकालकर उसकी जान बचा ली। तीन साल की मासूम बच्ची का नाम सुशीला है उसको मामूली चोटें आईं हैं। वह छत्तीसगढ़ के रहने वाले सीताराम की बेटी है। उसके पिता परिवार के साथ मजदूरी करने आये हैं। बच्ची की मामूली खरोचें आई हैं, उसे कांशीराम हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र के जाजमऊ में इमारत गिरने के मामले में कानपुर विकास प्राधिकरण के पांच कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ एक जेई व एक्स ईएन के निलंबन के लिए शासन को लिखा गया है।

केडीए के विशेष कार्याधिकारी डीडी वर्मा ने बताया जाजमऊ के गज्जूपुरवा में महज 20 फुट की गली में 500 गज के प्लॉट पर बन रही बिल्डिंग के निचले फ्लोर पर दुकानें और ऊपर फ्लैट बनाए जा रहे थे। इस बिल्डिंग में दो मंजिल तक बनवाने की परमीशन है लेकिन निर्माण अवैध तरीके से छह मंजिल तक करवाया जा रहा था। अभी भी इमारत के अंदर से शवों की तलाश जारी है। मलवे में दवे लोगों के शवों की तलाश के लिए सेना की टीम स्लैब में छेद कर रही है। सेना को नीचे दो शव दिख रहे हैं। मौके पर भीड़ जमा है। वहां लोग अपने परिवार के सदस्यों की तलाश में भटक रहे हैं।

## लंबे समय तक सुरक्षित रह सकेगा डेटा

**कानपुर/मनोज :** माइक्रोसॉफ्ट ने डेटा सिक्योर करने के लिए पुणे, मुंबई, तमिलनाडु में केंद्र स्थापित किए हैं। यह केंद्र इतने बड़े हैं कि बैंकिंग, रेलवे, एजुकेशन, डाकघर व बिजली बिभाग समेत अन्य सभी सेक्टरों के डेटा कलेक्ट कर उन्हें लंबे समय तक सिक्योर रखा जा सकता है।

यह बातें माइक्रोसॉफ्ट के कंट्री हेड भास्कर प्रमाणिक को आइआइटी में कहीं। आइआइटी में छात्र पुनर्मिलन सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे कंट्री हेड भास्कर प्रमाणिक ने बताया कि आइआइटी कानपुर के साथ माइक्रोसॉफ्ट लगातार करार कर रहा है। छात्रों के प्लेसमेंट से लेकर शोध कार्य के लिए कई करार किए जा चुके हैं। भविष्य में आइआइटी के साथ मिलकर माइक्रोसॉफ्ट शोध कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का समय आ चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया से जोड़कर इसे देखा जा सकता है।

## उप्र से निकल दूर तलक जाएगी दोस्ती

**आगरा :** साइकिल को हाथ का साथ मिला है, तो यूपी की सियासत को दो दोस्त। सपा के नए सुप्रीमो अखिलेश यादव और कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी ताजनगरी के रास्तों से गुजरे, तो एक नए मुकाम की ओर बढ़ गए। संकेत दिया कि ये दोस्ती अब लखनऊ से आगे बढ़कर दिल्ली तक जाएगी।

अखिलेश ने रोड शो के बाद समर्थकों को संबोधित किया, तो दिख गया कि उनका भावी राजनीतिक रोडमैप तैयार है। कहा कि इस गठबंधन से उत्तर प्रदेश ही नहीं, देश की राजनीति में भी परिवर्तन आएगा। साढ़े चार मिनट के भाषण में इस बात को एक बार फिर दोहराया। कुछ देर बाद राहुल ने भी यह कहते हुए अखिलेश की बात पर मुहर लगा दी कि हम लोग मिलकर इस दोस्ती को आगे ले जाएंगे।

अखिलेश यह भी समझा रहे थे कि अब सियासत के लिए विकास की बातें जरूरी हैं, इसलिए अपनी सरकार की ओर से कराए गए विकास की दुहाई देकर वोट मांगे। कहा कि सपा सरकार ने प्रदेश में विकास के बहुत से काम किए। कांग्रेस के साथ मिलकर इस काम को आगे बढ़ाना है। चुनाव में गठबंधन के लिए बड़ी प्रतिद्वंद्वी भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर अखिलेश ने चिर-परिचित अंदाज में तंज कसे।

# कन्नौज में दो गाड़ियों की चेकिंग में मिले 4.50 करोड़ रुपये

**कन्नौज।** उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रही वाहन चेकिंग में आज कन्नौज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इत्रनगरी में आज पुलिस को दो गाडियों की चेकिंग में 4.50 करोड़ रुपये मिले।

कन्नौज की सदर कोतवाली अंतर्गत तिखवा बार्डर पर जीटी रोड में चेकिंग के दौरान एसडीएम सदर अरुण कुमार सिंह की टीम ने एक वैन से चार करोड़ रुपये बरामद किये। वैन को जाँच के लिए कोतवाली लाया गया। इसी बीच इनोवा गाड़ी से 50 लाख रुपये पकड़े गए। दोनों गाडियों में मिले रुपयों की जांच आयकर अधिकारी कर रहे हैं। कोतवाली में कागजात मंगाए गए हैं।

# कहानी: ताजपुर जंगल में आतंकी

ताजपुर जंगल में शाम का समय था। हल्की-हल्की सर्द हवा बह रही थी। आसमान में बादल थे। ऐसा लग रहा था, जैसे बरसात होगी। सब जानवर अपना खाना खाकर तेजी से अपने-अपने घरों की तरफ जा रहे थे। बीनू बाज भी आसमान के रास्ते अपने घोंसले की तरफ जा रहा था। आज वह अपने घोंसले से बहुत दूर आ गया था इसलिए वह जल्दी से उड़कर अपने घर पहुंचना चाहता था। अचानक उसकी निगाह नीचे एक पहाड़ी की ओट में पड़ी। उसने देखा कि चार भेड़िये अपने मुंह पर कपड़ा बांधे और अपने आपको दूसरे जानवरों से बचाते व छुपाते हुए ताजपुर के जंगल की तरफ बढ़ रहे थे। बीनू बाज को उनकी इस हरकत पर कुछ शक हुआ। उसने एक बार तो सोचा कि मरने दो मुझे क्या? लेकिन उसने सुन रखा था कि उसके जंगल पर आने वाले नए साल के मौके पर कुछ आतंकी हमला कर सकते हैं, तो उसने उन चारों भेड़ियों की हरकत के बारे में पता लगाने का निश्चय किया। वह धीरे से नीचे आया और एक पेड़ पर छुपकर बैठ गया।



अब बीनू बाज तो उन चारों भेड़ियों को देख सकता था लेकिन वो चारों उसको नहीं देख सकते थे। वो चारों भेड़िये भी उसी पेड़ के नीचे आकर बैठ गए। काले बादलों की वजह से अंधेरा होने लगा था। चारों भेड़ियों में से एक बोला-बस अब थोड़ी देर की बात है, जब ताजपुर जंगल के सब जानवर सो जाएंगे और फिर हम उन पर हमला कर देंगे। दूसरा बोला-हां, सब अपने-अपने हथियार चेक कर लो। इतना कहने पर सबने अपने थैलों में छिपाई हुई आधुनिक बंदूक को निकालकर देखा और सबने एकसाथ कहा-सब ठीक है। अब बीनू बाज भी घबरा गया और उसका शक ठीक था। अब उसने सोचा कि सब जंगल वालों को इसके बारे में बताना चाहिए जिससे कि वो अपने बचाव में कुछ कर सकें। वह तुरंत धीरे से उस पेड़ से उड़ा और अपने ताजपुर जंगल के द्वार पर पंहुचा। डर और घबराहट से वह पसीने पसीने हो रहा था। उसको इस हालत में देखकर खेमू खरगोश बोला-अरे बीनू इतना घबराए और बदहवास से कहां भागे जा रहे हो? इतना सुनकर बीनू बाज रुका और नीचे आकर खेमू खरगोश के पास बैठ गया। उसने जल्दी से उन आतंकी भेड़ियों की बात उसे बताई। अब खेमू खरगोश भी परेशान हो गया और काफी घबरा गया। बीनू बाज जाने लगा और बोला-मुझे सारे जंगलवासियों को बताना पड़ेगा। इतना सुनकर खेमू खरगोश बोला-बीनू यदि तुम ये बात सारे जंगल को बताओगे तो सारे जंगलवासी घबरा जाएंगे तथा जंगल में ज्यादा हलचल और भगदड़ मच जाएगी। इसे देखकर हो सकता है कि वो भेड़िये आज हमला ना करके फिर कभी करें और हो सकता है कि अगली बार हमें ना पता लगे कि वो कब हमला करेंगे इसलिए उन्हें हमें आज ही पकड़ना पड़ेगा और अपने जंगल को भी बचाना पड़ेगा। बीनू बाज को खेमू खरगोश की बात में दम लग रहा था। वह थोड़ी देर चुप होकर बोला-फिर हम दोनों कैसे अकेले अपने जंगल को बचाएं? खेमू खरगोश बोला-हम दोनों ये नहीं कर सकते इसलिए हमें और साथी लेने पड़ेंगे, हमारे पास समय है। वो लोग सबके सो जाने पर ही हमला करेंगे। अब हल्की बरसात शुरू हो चुकी थी। इतने में खेमू खरगोश बोला-मुझे एक तरकीब सूझी है, तुम मेरे पीछे आओ। खेमू खरगोश और बीनू बाज जल्दी से ताजपुर जंगल के सेनापति चीनासिंह चीता के पास पहुंचे और उन्हें सारी बातें जल्दी-जल्दी बताईं। वो उनकी इस बात से सहमत थे कि उन्हें हमें आज ही और बिना किसी शोर-शराबे के पकड़ना पड़ेगा। तभी खेमू खरगोश ने उन भेड़ियों को पकड़ने की एक योजना बताई तो वो खुश हुए।

सेनापति बोला-हां, ये ठीक रहेगा। इससे हम उनको बिना किसी शोर-शराबे के पकड़ सकेंगे। वो तीनों मिलकर अजगर भाइयों के पास पहुंचे और उनको भी सारी बातें बताईं तो वो भी झट से उनके साथ चलने को तैयार हो गए। वो सब मिलकर जुगनू के मोहल्ले में पहुंचे और उनको भी बात बताकर अपने साथ ले लिया। वो सब भी सहायता को तैयार हो गए और उनके साथ चल दिए। अब सब मिलकर बीनू बाज के पीछे उन छुपे भेड़िये आतंकियों के ठिकाने की तरफ चल दिए। जब वो सब उन आतंकियों के पास पहुंच गए तो बीनू ने उन्हें रुकने का इशारा किया। अंधेरा काफी हो गया था और अब बरसात भी तेज थी लेकिन उन सबको दिख रहा था कि वो आतंकी वहीं छिपे हुए हैं। अब सेनापति चीनासिंह चीता ने कहा-अब हमें अपनी योजना पर काम करना है। बीनू तुम अपनी चोंच में उठाकर इन अजगर भाइयों को पेड़ की डाल पर ठीक उन आतंकियों के सिर के ऊपर बैठाकर आओ। सेनापति ने अजगर भाइयों को कहा कि जैसे ही ये सब जुगनू पेड़ से एकसाथ तेज रोशनी करें, तो तुम उन चारों भेड़ियों पर पेड़ पर से हमला करके दबोच लेना और उसके बाद मैं और खेमू उनको जाल डालकर कैद कर लेंगे। उन चारों ने सहमति से सिर हिलाया। बीनू ने वैसा ही किया और एक-एक करके उन चारों अजगर भाइयों को डाल पर अपनी चोंच से ले जाकर बैठा दिया था और उन आतंकियों को अहसास भी नहीं हुआ। उसके बाद खेमू खरगोश ने जुगनू के दल की तरफ इशारा किया तो वो लोग पेड़ के ऊपर झुंड में खड़े हो गए। जैसे ही खेमू खरगोश ने मुंह से आवाज निकाली तो तुरंत जुगनू चमकाने लगे और इतनी रोशनी हो गई कि वो आतंकी साफ दिखने लगे। तुरंत ही चारों अजगर पेड़ से एक-एक करके उन पर झपटे। इससे पहले कि वो कुछ समझ पाते, खेमू खरगोश और सेनापति चीनासिंह चीता ने उन्हें जाल में पकड़कर कैद कर लिया और झटपट बीनू बाज ने उनके हथियार छीन लिए।

## हरड़ का सेवन करें आंतें रहेंगी साफ

**हरड़ या** हरीतकी का वृक्ष 60 से 80 फुट ऊंचा होता है। प्रधानतः यह निचले हिमालय क्षेत्र में रावी तट से बंगाल आसाम तक लगभग पांच हजार फुट की ऊंचाई तक पाया जाता है। इसकी छाल गहरे भूरे रंग की होती है तथा पत्तों का आकार वासा के पत्तों जैसा होता है। सर्दियों में इसमें फल आते हैं जिनका भंडारण जनवरी से अप्रैल के बीच किया जाता है। मौटे तौर पर हरड़ के दो प्रकार हैः- बड़ी हरड़ और छोटी हरड़। बड़ी हरड़ में सख्त गुठली होती है जबकि छोटी हरड़ में कोई गुठली नहीं होती। वास्तव में वे फल जो गुठली पैदा होने से पहले ही तोड़कर सुखा लिए जाते हैं उन्हें ही छोटी हरड़ की श्रेणी में रखा जाता है। आयुर्वेद के अनुसार छोटी हरड़ का प्रयोग निरापद होता है क्योंकि आंतों पर इसका प्रभाव सौम्य होता है। वनस्पति शास्त्र के अनुसार हरड़ के तीन अन्य भेद हो सकते हैं। पक्वफल, अर्धपक्व फल तथा पीली हरड़। पीली हरड़ का गूदा काफी मोटा तथा स्वाद कसैला होता है फलों के स्वरूप, उत्तत्ति स्थान तथा प्रयोग के आधार पर हरड़ के कई अन्य भेद भी किए जा सकते हैं। नाम कोई भी हो चिकित्सकीय प्रयोगों के लिए डेढ़ तोले से अधिक भार वाली, बिना छेद वाली छोटी गुठली तथा बड़े खोल वाली हरड़ ही प्रयोग की जाती है। टेनिक अम्ल, गलिक अम्ल, चेबूलीनिक अम्ल जैसे ऐस्ट्रिन्जेन्ट पदार्थ तथा एन्थ्राक्वीनिन जैसे रोचक पदार्थ हरड़ के रासायनिक संगठन का बड़ा हिस्सा हैं। इसके अतिरिक्त इसमें जल तथा अन्य अघुलनशील पदार्थ भी होते हैं। इसमें 18 प्रकार के अमीनो अम्ल मुक्तावस्था में पाए जाते हैं।

# सोमरस बनाने की विधि, पीएंगे तो जवानी रहेगी बरकरार

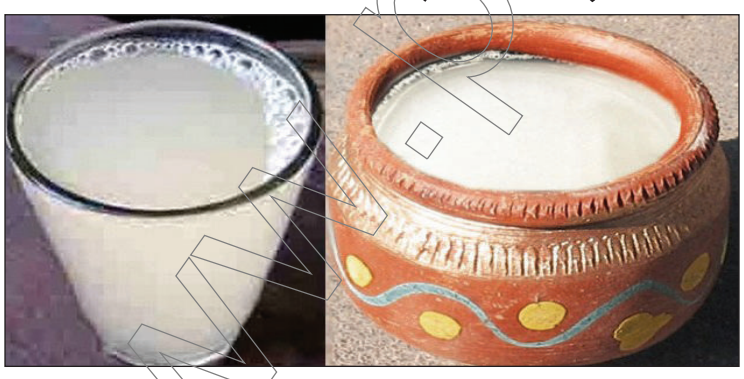

**अक्सर** शराब के समर्थक यह कहते सुने गए हैं कि देवता भी तो शराब पीते थे? सोमरस क्या था, शराब ही तो थी। प्राचीन वैदिक काल में भी सोमरस के रूप में शराब का प्रचलन था? या शराब जैसी किसी नशीली वस्तु का उपयोग करते थे देवता? कहीं वे सभी भांग तो नहीं पीते थे, जैसा कि शिव के बारे में प्रचलित है कि वे भांग पीते थे। लेकिन किसी भी पुराण या शास्त्र में उल्लेख नहीं मिलता है कि शिवजी भांग पीते थे। इसी तरह की कई भ्रांत धारणाएं हिन्दू धर्म में प्रचलित कर दी गई हैं जिसके दुष्परिणाम देखने को मिल भी रहे हैं। दरअसल, सोमरस, मदिरा और सुरापान तीनों में फर्क है। ऋग्वेद में शराब की घोर निंदा करते हुए कहा गया है-

**।। हृत्सु पीतासो युध्यन्ते दुर्मदासो न सुरायाम।।** अर्थात : सुरापान करने या नशीले पदार्थों को पीने वाले अक्सर युद्ध, मार-पिटाई या उत्पात मचाया करते हैं।

सोमरस बनाने की विधि, पीएंगे तो जवानी रहेगी बरकरार अनिरुद्ध जोशी



'शतायु' वेदों की इन ऋचाओं से जाना जा सकता है कि सोमरस क्या था। ऋग्वेद की एक ऋचा में लिखा गया है कि 'यह निचोड़ा हुआ शुद्ध दधिमिश्रित सोमरस, सोमपान की प्रबल इच्छा रखने वाले इन्द्रदेव को प्राप्त हो।। (ऋग्वेद-1/5/5) ...हे वायुदेव! यह निचोड़ा हुआ सोमरस तीखा होने के कारण दुग्ध में मिश्रित करके तैयार किया गया है। आइए और इसका पान कीजिए।। ।। शतं वा यः शुचीनां सहस्त्रं वा समाशिराम। एदुनिम्नं न रीयते।। (ऋग्वेद-1/30/2)... अर्थात नीचे की ओर बहते हुए जल के समान प्रवाहित होते सैकड़ों घड़े सोमरस में मिले हुए हजारों घड़े दुग्ध मिल करके इन्द्रदेव को प्राप्त हों।

इन सभी मंत्रों में सोम में दही और दूध को मिलाने की बात कही गई है, जबकि यह सभी जानते हैं कि शराब में दूध और दही नहीं मिलाया जा सकता। भांग में दूध तो मिलाया जा सकता है लेकिन दही नहीं, लेकिन यहां यह एक ऐसे पदार्थ का वर्णन किया जा रहा है जिसमें दही भी मिलाया जा सकता है। अतः यह बात का स्पष्ट हो जाती है कि सोमरस जो भी हो लेकिन वह शराब या भांग तो कतई नहीं थी और जिससे नशा भी नहीं होता था अर्थात वह हानिकारक वस्तु तो नहीं थी। देवताओं के लिए समर्पण का यह मुख्य पदार्थ था और अनेक यज्ञों में इसका बहुविध उपयोग होता था। सबसे अधिक सोमरस पीने वाले इन्द्र और वायु हैं। पूषा आदि को भी यदा-कदा सोम अर्पित किया जाता है, जैसे वर्तमान में पंचामृत अर्पण किया जाता है।सोमरस बनाने की विधि, पीएंगे तो जवानी रहेगी बरकरार

अनिरुद्ध जोशी 'शतायु' सोम नाम से एक लता होती थी : मान्यता है कि सोम नाम की लताएं पर्वत श्रृंखलाओं में पाई जाती हैं। राजस्थान के अर्बुद, उड़ीसा के महेन्द्र गिरी, हिमाचल की पहाड़ियों, विंध्याचल, मलय आदि अनेक पर्वतीय क्षेत्रों में इसकी लताओं के पाए जाने का उल्लेख मिलता है। कुछ विद्वान मानते हैं कि अफगानिस्तान की पहाड़ियों पर ही सोम का पौधा पाया जाता है। यह बिना पत्तियों का गहरे बादामी रंग का पौधा है।

अध्ययनों से पता चलता है कि वैदिक काल के बाद यानी ईसा के काफी पहले ही इस वनस्पति की पहचान मुश्किल होती गई। ऐसा भी कहा जाता है कि सोम (होम) अनुष्ठान करने वाले लोगों ने इसकी जानकारी आम लोगों को नहीं दी, उसे अपने तक ही सीमित रखा और कालांतर में ऐसे अनुष्ठानी लोगों की पीढ़ी/परंपरा के लुप्त होने के साथ ही सोम की पहचान भी मुश्किल होती गई। सोम को 1. स्वर्गीय लता का रस और 2. आकाशीय चन्द्रमा का रस भी माना जाता है। सोम की उत्पत्ति के दो स्थान हैं- ऋग्वेद अनुसार सोम की उत्पत्ति के दो प्रमुख स्थान हैं- 1.स्वर्ग और 2.पार्थिव पर्वत।अग्नि की भांति सोम भी स्वर्ग से पृथ्वी पर आया। 'मातरिश्वा ने तुम में से एक को स्वर्ग से पृथ्वी पर उतारा, गरुत्मान ने दूसरे को मेघशिलाओं से।' हे सोम, तुम्हारा जन्म उच्च स्थानीय है, तुम स्वर्ग में रहते हो,

## फलों और सब्जियों के छिलके होते हैं फायदेमंद

**क्या** आप भी फलों और सब्जियों के छिलकों को बेकार समझ कूड़े में फेंक देते हैं लेकिन क्या आपको पता है कि इन छिलकों में कई लाभकारी पोषक तत्व छुपे होते हैं जो आपकी कई सेहत संबंधी और अन्य कई परेशानियों को दूर करने में आपकी मदद करते हैं। आइये जानते हैं कौन कौन से फल और सब्जियों के छिलके आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं-

**अनारः-** यह तो हम सब ही जानते हैं कि अनार का रस और दाने स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं लेकिन इसका छिलका भी कुछ कम लाभदायक नहीं होता। अनार के छिलके को पीसकर पाउडर बनाकर एक कंटेनर में रख लें, इस चूर्ण को आप कई तरह से प्रयोग कर सकते हैं। जिन महिलाओं को पीरियड में ज्यादा ब्लीडिंग की समस्या रहती है उनके लिए अनार का छिलका बहुत लाभकारी रहता है, रोज एक चम्मच अनार के छिलके के पाउडर को पानी के साथ लेने से ये समस्या धीरे धीरे दूर हो जाती है। अनार के छिलके के पाउडर को दही में मिलाकर हफ्ते में दो बार इससे बाल धोयें कुछ समय में ही आपको फर्क दिखना शुरू हो जाएगा।


कहो श्रीराम ... चलो श्रीराम वन यात्रा पर



दशरथ समाधि के दर्शन करें यह स्थान विल्वहरी घाट, फैजाबाद (उ.प्र.)
बा. रा. 2/76/14 से 23 मानस 2/168/ से 2/170/1

दिनांक 9 फरवरी, दिन गुरूवार से

श्रीराम सांस्कृतिक शोध संस्थान न्यास

डा. रामअवतार शर्मा

पूर्व सहायक निदेशक (रा. भा.) आयकर विभाग

के साथ हम सब चलेंगे

आयोध्या से रामेश्वरम् तक

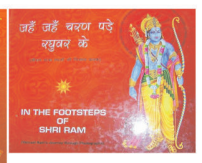




श्रीराम वनगमन यात्रा की शोध पुस्तकें प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें

बी-945, एम.आई.जी. फ्लैट चित्रकूट, पूर्वी लोनी रोड़, दिल्ली-110093

सम्पर्क सूत्र : 9868364356 e-mail: info@shriramvanyatra.com, www.shriramvanyatra.com

# श्रीराम स्थल ..............भारत दर्शन

**जिस** प्रसंग को बड़े-बड़े ऋषियों-मुनियों ने नेति-नेति कह कर छोड़ दिया उस संदर्भ पर कुछ लिखने को देवी इच्छा या अपने पूर्वजों का कुछ आशीष कहना उचित होगा परन्तु ईश्वरी इच्छा को पूर्ण होने का माध्यम मुझे चुना उसके लिये श्रीराम सांस्कृतिक शोध संस्थान न्यास के शोधकत्र्ता डा. रामअवतार शर्मा जी की चरणों में बैठकर जो ज्ञान प्राप्त हुआ उसे आप तक पहुँचाने का प्रयास करूँगा, इसी संदर्भ में लिखने से पहले मैं समस्त भू-मण्डल के देवी-देवताओं एवं समस्त गुरूजनों की चरण बन्दना करते हुए, शिव-शक्ति से आशीष भी चाहूँगा। इस संदर्भ में जिस पुण्य स्थल के दर्शन मिलेंगे, शायद मेरी कलम सब कुछ आपको बता पाने में सझम न हो अतः मैं क्षमा प्रार्थी हूँ श्रीराम वनगमन यात्रा के सम्पूर्ण वर्णन के लिए आप श्रीराम सांस्कृतिक शोध संस्थान न्यास से पुस्तक ''जहँ-जहँ राम चरण चलि जाहिं'' प्राप्त कर सकते हैं।



श्रीराम सांस्कृतिक शोध संस्थान न्यास की सन् 2015 में श्रीराम वनगमन यात्रा पर चर्चा करते हुए स्व. श्री अशोक सिंघल जी के साथ



राजा दशरथ जी ने श्रृंगी ऋषि की सहायता से यहां पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। वा.रा. 1/8 से 16 पूरे अध्याय, रामचरित मानस 1/188/3, 4 यह स्थान उ.प्र. के वस्ती जिले के अन्दर मखोड़ा नाम से प्रसिद्ध है

श्रीराम सांस्कृतिक शोध संस्थान न्यास द्वारा श्रीराम वनगमन यात्रा 9 पफरवरी 2017 से 11 अप्रैल 2017 तक भारत भर के श्रीराम के वनवासी मार्ग पर चलेंगे और दर्शन करेंगे श्रीराम के उन मन्दिरों के जो गोस्वामी तुलसी दास जी और बाल्मीकि रामायण, कुछ अन्य रामायण, कुछ लोककथाएं तथा कुछ जनश्रुतियों पर आधरित है श्रीराम सांस्कृतिक शोध संस्थान न्यास का प्रयास होगा कि आपको अधिक से अधिक मन्दिरों के दर्शन कराये जाये परन्तु समस्त मार्गो तथा पुण्य स्थलों के दर्शन के बारे लिख पाना मुनकिन नहीं है अतः मेरा ये प्रयास होगा कि आप सबको मुख्य पुण्य स्थल के बारे में अवगत कराया जाये। प्रयास सफल हो ऐसी प्रभु श्रीराम से कामना करता हूँ। यह यात्रा में उत्तर प्रदेश के अयोध्या से लेकर जनकपुर (नेपाल), मध्यप्रदेश, झारखण्ड, उड़ीसा, बिहार, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, कर्नाटक होते हुए तमिलनाडु के रामेश्वरम् जैसे पुण्य स्थलों का दर्शन होगें। श्रीराम के मार्गों तथा नदियों के भी दर्शन के कुछ अंश मिलेंगे। डा. रामअवतार शर्मा जी के लगभग गत 40 वर्षों के अथक प्रयास से, श्रीराम सांस्कृतिक शोध संस्थान न्यास ने, श्रीराम वनगमन यात्रा की खोज में अपने जीवन के महत्वपूर्ण अंश लगाकर हम सबको सौभाग्यशाली बनने का अवसर प्रदान किया है, अब तक कुल 290 स्थलों की खोज हो चुकी है। इन 249 स्थलों का विवरण आप सभी तक पहुँचे और आपको भी पुण्य स्थल के दर्शन करने की इच्छा बलवती होगी, ऐसे ही उद्देश्य के साथ श्रीराम के मार्ग पर चलने के लिए हम सब संकल्पबद्ध हो। इस यात्रा में श्री रामअवतार शर्मा जी से बातचीत का कुछ अंश भी प्रस्तुत करता रहूगां। एक पुरानी कहावत है कि ''संतों की वाणी, तुका की जुबानी'' उसको चरित्रार्थ करने का प्रयास करूँगा।

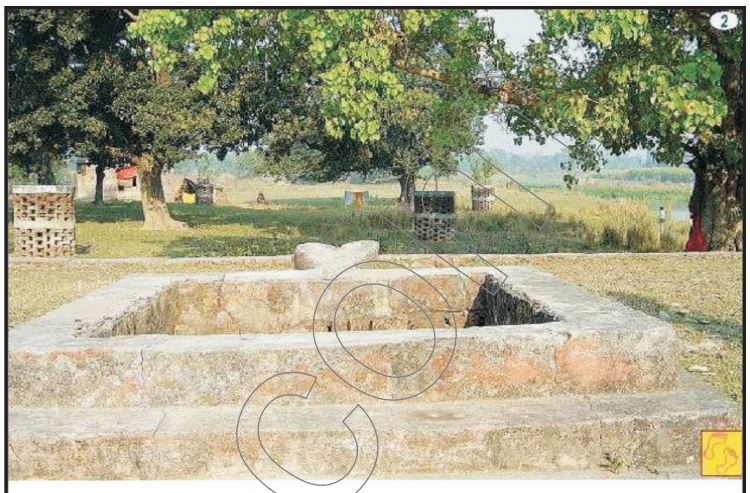

इस यात्रा को डा. श्री रामअवतार शर्मा जी का कहना है कि वाल्मीकि जी ने केवल 10 वर्ष का वर्णन किया है, वाल्मीकि जी के 2 श्लोक विचारणीय हैं 'तदन्तर महान अस्त्रों के ज्ञाता श्रीरामचन्द्र जी बारी-बारी से उन सभी तपस्वी-मुनियों के आश्रमों पर गये जिनके वहां वे पहले रह चुके थे, उनके पास दोबारा जाते है' वा. रा. 3/11/23 इसी प्रकार मुनियों के आश्रमों पर रहते और अनुकूलता पाकर आनन्द का अनुभव करते हुए उनके 10 वर्ष बीत गये। वा. रा. 3/11/26 वाल्मीकि जी के ये श्लोक श्री सुतीक्षण मुनि के आश्रम पहुंच कर दण्डक वन में 10 वर्ष भ्रमण तथा वापस सुतीक्षण आश्रम तक आने का विवरण है। इन सभी तपस्वी मुनियों का नाम शोध भी एक कार्य है और उनके आश्रमों का कुछ दिशा-निर्देश भी



श्रीराम चरित मानस के अनुसार भरत जी को कामदगिरि के दर्शन दो कोस पहले हुए थे। खोह गाँव ही है पहले है श्रीराम का अनुगमन करते हुए भरत जी यहीं से गये थे। श्रीराम चरित मानस 2/224/3, 4 तथा 2/226/1, 2, 3

नहीं मिलता है। इस प्रकार गोस्वामी जी ने इस विवरण को केवल दोहे के आधे भाग में कह दिया है- निसिचर हीन करउँ महि, भुज उठाय पन कीन्ह। सकल मुनिन्ह के आश्रमन्हि जाइ जाइ सुख दीन्ह।।

अतः श्रीराम के वनवास मार्ग की खोज में तुलसी दास जी के ये सकल मुनिन्ह तथा वाल्मीकि जी के तपस्वी मुनि कौन थे? कहां थे तथा उन्होंने अनुकूलता पाकर आनन्द का अनुभव करते हुए 10 वर्ष कहां बिताये ये शोध का विषय है। शोध की दृष्टि से श्रीराम वनवास मार्ग को 9 भागों में विभाजित किया है।

**1.** अयोध्या जी से चित्रकूट तक- फैजाबाद, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, इलाहाबाद, कौशम्भी, चित्राकूट।

**2.** चित्रकूट प्रवास- चित्रकूट में

**3.** चित्रकूट से सुतीक्षण मुनि आश्रम- सतना, पन्ना, कटनी, जबलपुर, हौशंगाबाद, नागपुर, अमरावती तथा नासिक।

**4.** दण्डक वन का भ्रमण- नागपुर, उमरिया, शहड़ोल, कोरिया, अनूपपुर, सरगुजा, जसपुर, गुमला, रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, जांजगीर, महासुमंद्र, धमतरी, कांकेर, नारायणपुर, बस्तर, केशपुर, मल्कागिरि, सुकमा, दंतेवाड़ा, सम्मम, करीम नगर, जालना, बीड़ तथा नासिक।

**5.** सुतीक्षण आश्रम से पंचवटी - नासिक

**6.** पंचवटी से किष्किंधा- पुणे, बीड़, उस्मानाबाद, शोलापुर, बीजापुर, बागलकोट, बेंतगॉव, कोपल तथा बिल्लारी।

**7.** किष्किंधा से रामेश्वरम् - चित्रदुर्ग, हासन, मैसूर, मंडिया, सेलम, त्रिचुरापल्ली, थंजावुर, तिरूवारूर, नागपट्टिनम, पोदुकोरई, रामनाथपुरम।

8. रामेश्वरम् से लंका तथा रामेश्वरम् तक वापसी- समुद्री मार्ग है अतः किसी राज्य की सीमा नहीं।

**9.** रामेश्वरम से अयोध्या तक - वापसी वायुमार्ग से हुई केवल कोपल, इलाहाबाद, तथा चित्राकूट जिलों के कुछ स्थल मिलते हैं।

**... सुनील शुक्ल**

## जिस अल्बम के सबसे ज्यादा कैसेट बिके अब उसी पर बन गई फिल्म



**मुंबई।** करीब 13 साल पहले भोजपुरी में एक अल्बम आया था ' निरहुआ सटल रहे ', इस अल्बम ने तब ऐसी धूम मचाई थी कि भोजपुरी संगीत के इतिहास में सबसे ज्यादा कैसेट बिक्री का एक रिकॉर्ड बन गया और अब इसी नाम से एक फिल्म भी बड़े परदे पर आने वाली है।

गौरतलब है कि भोजपुरी स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ फिल्मों में आने से पहले नामी गायक थे और उनका एक अल्बम ' निरहुआ सटल रहे ' ने रिकॉर्ड बनाया था। इस बार होली के मौके पर इसी नाम से एक फिल्म भी आएगी। जिसमें निरहुआ के साथ आम्रपाली दुबे की जोड़ी है। इस फिल्म के निर्देशक मोहसिन खान हैं। फिल्म के बारे में दिनेश का कहना है कि निरहुआ सटल रहे की कहानी जब उन्होंने सुनी तो उन्हें लगा अगर इस कहानी पर फिल्म बनी तो निःसंदेह भोजपुरी फिल्मों में एक नए दौर की शुरूआत होगी । यह टाइटल पहले से ही बच्चे बच्चे की जुबान पर है।

ये फिल्म एक टिपिकल भोजपुरी फिल्म जैसी ही होगी जिसमें सारे मसाले भरे हैं। निरहुआ को इन दिनों काफी बिजी स्टार माना जाता है। एक तरफ तो वो लगातार भोजपुरी फिल्मों की शूटिंग कर रहे नहीं लेकिन अब उन्हें उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी ध्यान देना पड़ रहा है जहाँ से इस बार वो पीपल का पेड़ पार्टी से विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं।

## परिणीति चोपड़ा को म्यूजिक कंपोजर की इस जोड़ी ने बताया पैशनेट सिंगर



**मुंबई।** 'मेरी प्यारी बिंदु' एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और एक्टर अंशुमन खुराना की अपकमिंग फिल्म है। इसमें परिणीती ने एक गाना भी गाया है जिसको लेकर इस म्यूजिक कंपोजर जोड़ी का यह कहना है।

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने एक्टिंग के साथ-साथ अब सिंगिंग में भी कदम आगे बढ़ाया है। इसके बाद से ही उनकी सिंगिंग को लेकर काफी तारीफ भी होना शुरू हो गई हैं। परिणीति चोपड़ा की फिल्म 'मेरी प्यारी बिंद' इसी साल 12 मई को रिलीज होने वाली है। खास बात यह है कि, इस फिल्म का टाइटल ट्रेक मेरी प्यारी बिंदु को खुद परिणीति ने आवाज दी है।

सत्यम् लाइव
www.satyamlive.com
National Hindi Newspaper, Magazine & Online News Web Portal
PRESS

SATYAM LIVE
National Hindi Newspaper, Magazine, Online News Web Portal & Advertising Services
Website: www.satyamlive.com, Email: editor@satyamlive.com, Phone: 7503000220, 011-64642915

सत्यम् लाइव साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र, स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक योगेश कुमार द्वारा 1/4649/89, स्टीट नं. 3, न्यू मॉर्डन शाहदरा, मंडोली रोड, दिल्ली-110032 से प्रकाशित तथा विजन आर्ट प्रेस, ए-116, शास्त्री नगर, दिल्ली -110052 से मुद्रित। * सम्पादक : योगेश कुमार, कार्यालय : 011-64642915, मोबाइल : 7503000220
* website : satyamlive.com, editor@satyamlive.com, satyamlive@yahoo.com, R.N.I. No. DELHIN/2011/36763
समाचार पत्र में संपादकीय के अतिरिक्त सम्पादक का किसी भी सामग्री से सहमत होना अनिवार्य नहीं है समाचार पत्र संबंधी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगा।